दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

सोमवार 28 जुलाई 2025

सूर्योदय प्रात: 05 :38 बजे

सूर्यास्त सांय 19 : 18 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 283 | गाजियाबाद, सोमवार 28 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़, 8 की मौत, 30 घायल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में रविवार को मची भगदड़ में 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 30 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस और मेडिकल टीमें मौके पर राहत व बचाव कार्य में जुटी हैं। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख व्यक्त किया है।

मंदिर पहाड़ के ऊपर बना हुआ है और यहां पहुंचने के लिए करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। एक चश्मदीद संतोष कुमार ने बताया कि मंदिर पहुंचने के लिए करीब 25 सीढ़ियां बची थीं, तभी हादसा हुआ। रविवार को भीड़ बहुत ज्यादा थी। इस बीच कुछ लोग वहां लगे तार को पकड़कर आगे बढ़े। इस दौरान कुछ तार छिल गए और उनमें करंट आ गया। इससे अफरा-तफरी मच गई और सीढ़ियों पर गिरने से लोग मारे गए।

इधर, हरिद्वार पुलिस ने मंदिर में करंट फैलने की बात को अफवाह बताया। गढ़वाल डिवीजन के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि मंदिर में भारी भीड़ जुटने की वजह से हादसा हुआ। हरिद्वार वरिष्ठ पुलिस अधिकक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने कहा कि मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में 35 लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। इन्हें अस्पताल लाया गया, लेकिन 8 लोगों की मौत हो गई। बाकी का इलाज चल रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना को लेकर मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं।

हरिद्वार के मंदिर में भगदड़ मचने से तीर्थयात्रियों की हुई मौत पीड़ादायक : राष्ट्रपति मुर्मू

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में मची भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर के मार्ग में मची भगदड़ में श्रद्धालुओं की मृत्यु होने का समाचार बहुत पीड़ादायक है। मैं सभी शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।''

हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि मंदिर से करीब 100 मीटर नीचे सीढ़ियों के पास अचानक बिजली के करंट की अफवाह फैल गयी और प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि संभवतः इसी वजह से भगदड़ मची।

उन्होंने बताया कि लगभग 35 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से छह की मौत हो गई। यह घटना पूर्वाह्न करीब 9 बजे हुई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मामले की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिये गए हैं।

ज्ञान के बिना अधिकार किसी काम के नहीं : CJI

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷

CJI गवई ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के उत्तरी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अतीत की विसंगतियों को दूर करने और कश्मीर को उसके पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत है, जहां सभी समुदाय सद्भाव के साथ रहते थे। उन्होंने कहा, 'न्यायाधीशों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा।

नालसा इसी दिशा में काम करता है। हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने की कोशिश कर रहे हैं-चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान। जब तक लोगों को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होगा, तब तक इन अधिकारों का कोई मतलब नहीं है।' कश्मीर की पिछले 35 वर्षों की स्थिति का स्पष्ट संदर्भ देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है।

'कुछ विसंगतियां रही हैं, लेकिन हमें इन्हें दूर करने के लिए काम करना होगा। न्यायाधीशों और वकीलों के बीच यह संवाद एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगा। मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम उस पारंपरिक कश्मीर के पुनर्निर्माण में मदद करेगा, जहां सभी समुदाय-हिंदू, मुस्लिम और सिख-एक साथ रहते थे।' न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि नालसा को यह सुनिश्चित करने का अपना काम जारी रखना चाहिए कि देश के सुदूरवर्ती क्षेत्र के अंतिम निवासी को संविधान में निहित न्याय मिले। उन्होंने कहा, 'देश के संविधान के जरिये हमने खुद से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक श्तर पर न्याय का वादा किया है। हमारा दायित्व है कि हम न्याय को उसकी सच्ची भावना के अनुरूप लागू करें। कानूनी बिरादरी को संविधान के सच्चे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए।' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जहां बाबासाहेब बीआर आंबेडकर 'एक व्यक्ति, एक वोट' के माध्यम से राजनीतिक न्याय ले आए, वहीं संविधान के सृजक ने सामाजिक विभाजन और एक खंड से दूसरे खंड में जाने में कठिनाई के बारे में बात की थी।

डायरेक्ट ड्राइव इंटरलॉकिंग सिस्टम से लैस हुआ देश का पहला दीनानगर रेलवे स्टेशन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय रेलवे में एक ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धि दर्ज करते हुए उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल स्थित दीनानगर स्टेशन को देश का पहला डायरेक्ट ड्राइव इंटरलॉकिंग सिस्टम युक्त स्टेशन बना दिया गया है।

मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विनोद कुमार ने बताया कि यह सिस्टम अत्याधुनिक के 5डी क्योशन इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग तकनीक पर आधारित है और इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है।

इसी श्रेणी में पश्चिम रेलवे का ताजपुर स्टेशन भी शामिल है। उन्होंने बताया कि बताया कि यह प्रणाली मौजूदा इंटरलॉकिंग सिस्टम का रिप्लेसमेंट नहीं, बल्कि सप्लीमेंट है। इसके तहत अब आउटडोर गियर को रिले की बजाय डायरेक्ट इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस से नियंत्रित किया जाएगा।

क्या है डायरेक्ट ड्राइव इंटरलॉकिंग सिस्टम?

यह तकनीक मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का एक एडवांस वर्जन है, जिसमें आउटडोर सिग्नलिंग उपकरणों को सीधे इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) से जोड़ा जाता है। अब सिग्नल, ट्रैक सर्किट और पॉइंट मशीनें सीधे इंटरलॉकिंग कार्ड से कनेक्ट होती हैं, जिससे मध्यवर्ती रिले हट जाते हैं। इससे सिस्टम की विश्वसनीयता और सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होता है।

नई प्रणाली में क्या-क्या शामिल है?

वरिष्ठ अनुभाग अभियंता प्रशांत कुमार ने बताया कि दीनानगर स्टेशन पर आधुनिक सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन परिसंपत्तियां लगाई गई हैं। दीनानगर रेलवे स्टेशन को 9 दिसंबर 2024 को आधुनिक के 5डी डायरेक्ट ड्राइव क्योशन मेक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम से लैस किया गया। यह उन्नयन पठानकोट-अमृतसर रूट पर कुल 31 रूटों के संचालन को सुरक्षित और कुशल बनाएगा।

नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के तहत स्टेशन पर कुल 21 ट्रैक, 04 पॉइंट, 10 मुख्य सिग्नल, 10 शंट सिग्नल, 01 लेवल क्रॉसिंग गेट, 15 एलसी गेट रिले, और कुल 27 इनडोर रिले स्थापित किए गए हैं।

इसके अलावा, आउटडोर में 60 रिले तथा 04 लाइन इलेक्ट्रॉनिक यूनिट लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस के5डी सिस्टम की सबसे बड़ी विशेषता इसकी कम जटिलता, न्यूनतम रखरखाव और कम बिजली खपत है।

साथ ही, सभी सिग्नल और पॉइंट अब लाइन इलेक्ट्रॉनिक यूनिट के माध्यम से ओएफसी द्वारा बिट डेटा में नियंत्रित किए जाते हैं। पुराने रिले आधारित सिस्टम की तुलना में इस प्रणाली में रखरखाव आसान है और विफलताएं न्यूनतम पाई जाती हैं।

खरगे-राहुल-प्रियंका ने सीआरपीएफ को स्थापना दिवस पर दी बधाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल(सीआरपीएफ) के 87वें स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए अदम्य साहस के साथ देश सेवा करने के लिए बल के जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री खरगे ने कहा 'सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस पर, हम बल के साहसी कर्मियों को हार्दिक बधाई देते हैं और उनका आभार व्यक्त करते हैं। एक वीर, गौरवशाली, जीवंत और दृढ़ बल के रूप में, इसने राष्ट्र की सुरक्षा में एक अपरिहार्य भूमिका निभाई है। हम वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके परिजनों के प्रति संवेदना वक्त कर आभार व्यक्त करते हैं। सीआरपीएफ के हर जवान की अदम्य बहादुरी और प्रतिबद्धता प्रेरित करती है। हम राष्ट्र के प्रति आपकी अमूल्य सेवा को नमन करते हैं।' श्री गांधी ने कहा 'सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर सभी कर्मियों को हार्दिक बधाई और हार्दिक आभार। सीआरपीएफ ने गरिमा, अनुशासन और अडिग कर्तव्यनिष्ठा के साथ हर चुनौती का डटकर सामना किया है। हम आपके बलिदान, आपकी सेवा और हर भारतीय को प्रेरित करने वाले अदम्य साहस को सलाम करते हैं। जय हिंद।' श्रीमती वाड्रा ने कहा 'सीआरपीएफ के वीर पुरुषों और महिलाओं को उनके स्थापना दिवस पर नमन। भारत को सुरक्षित रखने के लिए आपका साहस, बलिदान और प्रतिबद्धता हम सभी को प्रेरित करती है।'

राहुल ने उद्धव को जन्मदिन की बधाई दी, जनता के लिए मिलकर लड़ने का किया आह्वान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और महाराष्ट्र की जनता के लिए एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। ठाकरे रविवार को 65 साल के हो गए। गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शिवसेना अध्यक्ष और 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के साथी उद्धव ठाकरे जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई।'' उन्होंने कहा, ''आप स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों, और महाराष्ट्र के लोगों के हितों और अधिकारों की लड़ाई हम साथ-साथ लड़ेंगे।''

एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 28 जुलाई को सुनवाई करेगा न्यायालय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय सोमवार को सुनवाई करेगा। बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले पर विचार कर सकती है। निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के जारी एसआईआर को यह कहते हुए उचित ठहराया है कि इससे मतदाता सूची से ''अपात्र व्यक्तियों का नाम हटाने से'' चुनाव की शुचिता बढ़ेगी। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के आदेश वाले अपने 24 जून के फैसले को उचित ठहराते हुए कहा है कि सभी प्रमुख राजनीतिक दल इस प्रक्रिया में ''शामिल'' हैं और पात्र मतदाताओं तक पहुंचने के लिए 1.5 लाख से अधिक बूथ-श्तरीय एजेंट तैनात किए गए हैं, लेकिन अब वही दल इस प्रक्रिया का उच्चतम न्यायालय में विरोध कर रहे हैं। याचिकाकर्ताओं के आरोपों का खंडन करने के लिए दायर एक विश्तृत हलफनामे में निर्वाचन आयोग ने कहा है कि मतदाता सूची से अपात्र व्यक्तियों के नाम को हटाकर एसआईआर चुनाव की शुचिता को बढ़ाता है। याचिकाकर्ताओं में कई राजनीतिक नेता, नागरिक समाज के सदस्य और संगठन शामिल हैं।

आतंकवादियों के लिए कहीं भी सुरक्षित पनाहगाह नहीं, ऑपरेशन सिंदूर ने दिया संदेश : मोदी

✷ वेबवार्ता. गंगईकोंडा चोलपुरम ✷

गंगईकोंडा चोलपुरम, 27 जुलाई (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे विश्व को ये दिखा दिया है कि अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के खिलाफ किसी भी खतरे को लेकर को लेकर भारत का रूख कितना दृढ़ और निर्णायक है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने ये साफ संदेश भी दे दिया है कि आतंकवादियों और देश के दुश्मनों के लिए कोई भी सुरक्षित पनाहगाह नहीं है।

प्रधानमंत्री ने गंगईकोंडा चोलपुरम में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के लोगों को नया आत्मविश्वास दिया है और पूरा विश्व इसे देख रहा है। श्री मोदी गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आदि तिरूवथिराई उत्सव के मौके पर यहां आये थे जो राजा राजेन्द्र चोल-1 की दक्षिण पूर्व की समुद्रीय यात्रा, उनकी जयंती और राजा द्वारा गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण के 1000 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज का भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "दुनिया ने भारत का उसकी संप्रभुता के विरुद्ध किसी भी खतरे का दृढ़ और निर्णायक जवाब देखा है। ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट संदेश भी दिया है कि आतंकवादियों और राष्ट्र के दुश्मनों के लिए कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं है।"

राजा राजेन्द्र चोल की विरासत का जिक्र करते हुए मोदी ने गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर का उल्लेख किया और कहा कि उन्होंने अपने पिता के सम्मान में इस मंदिर के गोपुरम (मंदिर टावर) की ऊंचाई को पिता द्वारा तंजावुर में बनवाये गये बृहदेश्वर मंदिर से नीचे रखा।

उन्होंने कहा, "चोल काल की आर्थिक और सामरिक प्रगति आधुनिक भारत के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। राजराजा चोल ने एक शक्तिशाली नौसेना की स्थापना की, जिसे राजेंद्र चोल ने और मजबूत किया। चोल साम्राज्य ने नए भारत के निर्माण के लिए एक प्राचीन रोडमैप के रूप में कार्य किया।" श्री मोदी ने कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देनी होगी। इसके साथ ही अपनी नौसेना और रक्षा बलों को मजबूत करना होगा तथा नए अवसरों की तलाश करनी होगी। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि देश इसी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर आगे बढ़ रहा है।

धनखड़ के इस्तीफे का कारण नहीं पता : खरगे

✷ वेबवार्ता. विजयपुरा (कर्नाटक) ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि उन्हें जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के वाश्तविक कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा कि धनखड़ को बताना होगा कि वाश्तव में क्या हुआ था, क्योंकि मामला उनके और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच का है।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धनखड़ ने हमेशा सरकार का पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि जब भी विपक्ष ने मुद्दे उठाने की कोशिश की, चाहे वह किसानों या गरीबों से संबंधित हो या विदेश नीति से जुड़ा हो, उन्होंने कभी भी विपक्ष को ऐसा करने की अनुमति नहीं दी।

यह सवाल पूछे जाने पर कि क्या धनखड़ को किसानों के पक्ष में बोलने के कारण इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा, खरगे ने कहा, ''मुझे ये सब जानकारी नहीं है। वह (धनखड़) हमेशा सरकार के पक्ष में रहे। उन्हें बताना चाहिए कि क्या हुआ था।''

खरगे ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''जब हमने किसानों, गरीबों, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों या विदेश नीति से संबंधित कई मुद्दे उठाए तो उन्होंने (राज्यसभा में सभापति के तौर पर) हमें कभी मौका नहीं दिया।''

उन्होंने कहा, ''जब हमने गरीबों, महिलाओं, दलितों और वंचितों पर अत्याचार तथा हिंदू-मुस्लिम टकराव जैसे मुद्दों पर नोटिस देकर मुद्दे उठाने की कोशिश की, तो उन्होंने हमें मौका नहीं दिया।

यह (धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे का कारण) उनके और मोदी के बीच का मामला है। हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।''

धनखड़ ने 21 जुलाई की शाम अचानक चिकित्सा कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गईं।

बिहार में मतदाता सत्यापन का पहला चरण पूरा, एक अगस्त से कर सकेंगे दावा-आपत्ति

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार में 24 जून से 25 जुलाई तक चलाए गए मतदाता सत्यापन अभियान (एसआईआर) के पहले चरण में 7.24 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने फॉर्म जमा कराये हैं। अब 1 अगश्त से 1 सितंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती है।

चुनाव आयोग ने रविवार को एक बयान में बताया कि बिहार में 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 91.8 प्रतिशत से अधिक ने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा किये हैं।

इस कार्य में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी, 243 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, 2,976 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, 77,895 मतदान केंद्रों पर तैनात बीएलओ, स्वयंसेवक तथा सभी 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के 1.60 लाख से अधिक बूथ श्तर एजेंट (बीएलए) शामिल रहे।

पहले चरण के दौरान बिहार के प्रत्येक मतदाता को घर जाकर बीएलओ ने फॉर्म वितरित किए और फिर भरे हुए फॉर्म एकत्र किए गए। इसके अतिरिक्त 29 लाख से अधिक फॉर्म ऑनलाइन भरे या डाउनलोड किए गए। चुनाव आयोग ने विशेष रूप से शहरी मतदाताओं, नवयुवकों और अस्थायी प्रवासियों पर ध्यान केंद्रित किया। राज्य के सभी 261 नगरीय निकायों की 5,683 वार्डों में विशेष शिविर आयोजित किए गए।

साथ ही 1 जुलाई को या उससे पहले 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को मतदाता सूची में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 1 अगश्त से 1 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। आयोग का कहना है कि उसकी ओर से राजनीतिक दलों को मृतक, स्थानांतरित या अनुपलब्ध मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराई गई है।

इससे वे क्षेत्रीय सत्यापन कर सकते हैं। 10.2 करोड़ से अधिक एसएमएस भी भेजे गए, जिससे फॉर्म की प्राप्ति की पुष्टि मतदाताओं को मिल सके। चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि 1 अगश्त को प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची से किसी नाम को हटाने के लिए स्पष्टीकरण युक्त आदेश अनिवार्य होगा। ऐसे किसी निर्णय से असहमति होने पर मतदाता जिलाधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी से अपील कर सकते हैं।

आयोग के मुताबिक बुजुर्गों, दिव्यांगों और अन्य कमजोर वर्गीय की सहायता के लिए विशेष स्वयंसेवक नियुक्त किए गए हैं। वे सरकारी दश्तावेज प्राप्त करने में उनकी मदद करेंगे। इसके अलावा 1 अगश्त से शुरू हो रहे दावे-आपत्तियों के चरण में फॉर्म भरने, अपील करने और सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

किसान ने नोएडा अथॉरिटी को लगाई मोटी चपत, फर्जीवाड़ा कर लिया 295 करोड़ रुपये मुआवजा

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा के सेक्टर-18 में बने डीएलएफ मॉल के लिए दी गई जमीन के मुआवजे के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। एक किसान ने फर्जीवाड़ा कर नोएडा प्राधिकरण से 295 करोड़ रुपये मुआवजा ले लिया। इसका खुलासा होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व के अपने आदेश को रद्द कर नए सिरे से जांच करने को कहा है। अब प्राधिकरण कोर्ट में जमा कराई मुआवजे की पूरी रकम वापस मांगेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल पहले नोएडा प्राधिकरण को 1 लाख 10 हजार रुपये प्रतिवर्ग मीटर के हिसाब से बेंगलुरु के किसान रेड्डी विरेन्ना को मुआवजा देने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नोएडा प्राधिकरण ने रेड्डी विरेन्ना से बातचीत कर मुआवजा राशि के रूप में 295 करोड़ रुपये देने पर सहमति बनाई। प्राधिकरण ने यह रकम सुप्रीम कोर्ट में जमा करा दी थी।

इसके बाद एक अन्य किसान विष्णु वर्धन ने भी इस जमीन को लेकर मुआवजा मांगा। इसके लिए प्राधिकरण और न्यायालय में अर्जी लगाई। उन्होंने दावा किया कि किसान रेड्डी विरेन्ना ने झूठे तथ्य प्रस्तुत कर अकेले मुआवजा राशि ले ली, जबकि इस जमीन में दो और साझेदार हैं। उसे और एक अन्य शख्स सुधाकर को मुआवजा न देकर गलत तरीके से बाहर कर दिया गया। सुनवाई में भी यह तथ्य साबित होने के बाद

23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने अपने पूर्व में दिए आदेश को रद्द कर दिया।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में रेड्डी की संपत्ति भी अटैच करने का आदेश दिया गया है। अब इस मामले में न्यायालय में जमा रकम को वापस मांगा जाएगा। भविष्य में जो भी न्यायालय का निर्णय आएगा, उसी के तहत मुआवजा राशि दी जाएगी।

जिस जमीन पर डीएलएफ मॉल बना हुआ है, उसमें से काफी जमीन सेक्टर-44 स्थित छलेरा बांगर के एक किसान की हुआ करती थी। रेड्डी विरेन्ना ने 24 अप्रैल 1997 को 14358 वर्गमीटर जमीन एक करोड़ रुपये में किसान से खरीदी थी। यहां पहले ही प्राधिकरण ने काफी जमीन का अधिग्रहण कर लिया था। प्राधिकरण ने सिर्फ 7400 वर्गमीटर जमीन रेड्डी के नाम वापस की। प्राधिकरण ने सेक्टर-18 में व्यावसायिक भूखंड योजना निकाली और 54320 वर्ग मीटर जमीन बेच दी। इस योजना में रेड्डी की जमीन भी शामिल कर ली गई। पूरी जमीन प्राधिकरण ने डीएलएफ यूनिवर्सल लिमिटेड को 173 करोड़ रुपये में बेच दी। रेड्डी ने नोएडा प्राधिकरण और डीएलएफ कंपनी के खिलाफ याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट में 295 करोड़ रुपये जमा कराने के बाद नोएडा प्राधिकरण ने इसमें से करीब 235 करोड़ रुपये की राशि देने के लिए उसी समय डीएलएफ मॉल प्रबंधन को नोटिस भेजा था। नोटिस मिलने के बाद मॉल प्रबंधन ने रुपये जमा कराने से मना कर दिया। प्राधिकरण ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की। यह मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है। बता दें कि वर्ष 1976 में नोएडा प्राधिकरण का गठन हुआ था। इस मामले को छोड़ दें तो अब तक सिर्फ एक किसान को इतना अधिक मुआवजा किसी को नहीं दिया गया।

किसान विष्णु वर्धन का कहना है कि दादरी तहसील के नायब तहसीलदार की लापरवाही के कारण उनका नाम खतौनी में दर्ज नहीं हुआ। इसके कारण वह मुआवजे से वंचित रह गए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 100 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की है। उनका दावा है कि संबंधित जमीन का हिस्सा उनके पास भी था और उचित मुआवजा मिलना चाहिए। खास बात यह है कि इस बिंदु को प्राधिकरण ने सिविल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी उठाया था, लेकिन इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धोखाधड़ी से प्राप्त कोई भी आदेश शून्य है। इसे चुनौती दी जा सकती है। भले ही यह सुप्रीम कोर्ट का आदेश क्यों न हो। जस्टिस सूर्यकांत, दीपांकर दत्ता और उज्जल भुयन की बेंच ने यह स्पष्ट किया कि न्याय और धोखाधड़ी साथ-साथ नहीं रह सकते। शीर्ष कोर्ट ने अपने आदेश को निरस्त करार दिया और मामले को दोबारा विचार के लिए भेज दिया। इसमें विष्णु वर्धन और सुधाकर को अतिरिक्त प्रतिवादी बनाया गया।

दिलशाद हत्याकांड के फरार दो आरोपियों पर इनाम घोषित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

दिलशाद हत्याकांड के फरार चल रहे दो आरोपियो पर 15-15 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया गया है। इससे पूर्व पुलिस ने इनके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई भी की है।

गौरतलब है कि 5 जून की रात्रि को पारिवारिक विवाद के चलते चचेरे भाइयों ने मिलकर नगर के मोहल्ला ईदगाह निवासी दिलशाद पुत्र शमीम की लाठी डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। मृतक के भाई शादाब अहमद ने मुकीम, वसीम,अमन, शाहबाज, असद, अनस, मुश्तकीम, उजैफ, सन्नो, किश्वर व अलीम,तालिब सहित एक दर्जन आरोपी मुकदमा दर्ज कराया था। घटना में पुलिस ने वसीम, शाहबाज, शन्नो, मुकीम व असद, अलीम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने घटना के फरार आरोपियो के मकान पर कोर्ट के आदेश पर नोटिस चस्पा करते हुए मुनादी कराई तथा आरोपियो को 7 दिन के अंदर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी थी। पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई की। फरार आरोपियो को कोई अता पता नही लगा। थानाध्यक्ष धीरज नागर ने रविवार को बताया कि फरार चल रहे आरोपी तालिब पुत्र अकील मोहल्ला शेखान व अनस पुत्र वसीम मोहल्ला तकियागढी पश्चिम थाना नहटौर के ऊपर एसपी बिजनौर अभिषेक झा ने 15-15 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया है।उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है।

चोरों की आहट होने पर पुलिस ने की गस्त

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

क्षेत्र के अलग-अलग गांव में चोरों की आहट होने पर लोग जाग गए जिसके बाद चोर भाग गए।

पूरी रात ग्रामीणों ने पहरा दिया। साथ ही सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीण को सतर्कता बरतने और जागते रहने को अपील की।

प्राप्त समाचार के अनुसार क्षेत्र के गांव सदरूद्दीन नगर में चोरों की आहत होने पर लोग जाग गए। लोगों ने चोरों को तलाश किया लेकिन चोरों का पता नहीं लग सका। इसके बाद ग्रामीणों ने पूरी रात पहरा दिया और ग्रामीणों जागते रहने की आवाज दी। चोरों की आहट होने पर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की। इसके अलावा गांव कश्मीरी खजुरा जट आ गांव में चोरों की आहट दिखाई दी। चोरों की आहट से ग्रामीण सहमे हुए है। ग्रामीण पूरी रात लाठी डंडे लेकर चौराहों पर बैठकर व गांव में पहरा देकर पूरी रात गुजार रहे हैं। विभिन्न गांव में हो रही चोरों की आहट ने लोगों को दहशत में डाल दिया है। कहीं-कहीं में ड्रोन उड़ने की बाते हो रही हैं। कहीं-कहीं गांव में चोरों की आहत हो रही है। जिससे पूरा क्षेत्र दहशत में है। ग्रामीण पुलिस से गश्त बढ़ाए जाने की मांग की है।

दो बाइकों की भिड़ंत में युवक घायल

एनसीआर टुडे. नहटौर। दो बाईकों की भिड़ंत में दो युवक घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से एक की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हल्दौर थाना क्षेत्र के गांव कूकड़ा निवासी देव चौधरी पुत्र हुकुम सिंह उम्र 35 वर्ष गांव बल्ला शेरपुर में स्थित एक स्कूल में अध्यापक है वह छुट्टी के बाद वापस अपने घर जा रहा था जब वह नहटौर बायपास नहटौर नूरपुर नहटौर मार्ग पर पहुंचा तो गांव सीकरी से अपनी बहन के यहां सिंधारा देकर लौट गांव बालापुर अखाड़े निवासी मनीष पुत्र सुनील उम्र लगभग 18 वर्ष से उसकी भिड़ंत हो गई। जिसमें दोनों घायल हो गए।

भाकियू की ओर से किसान गोष्टी का आयोजन किया गया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। गांव दबथला स्थित आदित्य फार्म हाउस में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही मजबूत लडाई लड सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोडने की अपील की। इसके अलावा गोष्ठी में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। प्रदेश उपाध्यक्ष अतुल बालियान, मंडल उपाध्यक्ष लौकेंद्र डोडवाल, जिला अध्यक्ष नितिन सिरोही, ब्लॉक अध्यक्ष तेजवीर सिंह, धर्मवीर सिंह, राकेश प्रधान, अंकुर कुमार, अनुज कुमार, दिनेश प्रधान आदि उपस्थित रहे।

पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज़

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। बिल्डर/रियल एस्टेट एजेंट का पैन कार्ड। अपार्टमेंट का विवरण जैसे कुल मंजिलों की संख्या, कालीन क्षेत्र का माप, पार्किंग स्थान आदि। बिल्डर की घोषणा और साक्ष्य जो भूमि पर उसके कानूनी कब्जे को प्रमाणित करता है बिल्डर की बैलेंस शीट और पिछले 3 वर्षों की आईटीआर। अनिवार्य पंजीकरणः रेरा अधिनियम के तहत, 500 वर्ग मीटर से ज़्यादा क्षेत्रफल या आठ से ज़्यादा इकाइयों वाली कोई भी रियल एस्टेट परियोजना पंजीकृत नहीं है। रेरा पोर्टल पर, डेवलपर्स को परियोजना का पूरा विवरण, जिसमें लेआउट प्लान, सरकारी मंज़ूरी और निर्माण समय-सीमा शामिल है, प्रदर्शित करना होगा। कोई भी प्रमोटर रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण के साथ रियल एस्टेट परियोजना को पंजीकृत किए बिना किसी भी प्लॉट, अपार्टमेंट या भवन का विज्ञापन, विपणन, बुकिंग, बिक्री या बिक्री के लिए प्रश्ताव नहीं दे सकता है, या किसी भी तरीके से लोगों को खरीदने के लिए आमंत्रित नहीं कर सकता है।

मोहल्ला जोशियान से हुए शिव भक्त रबाना

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। मोहल्ला जोशियान से शिव भक्त नीलकंठ महादेव के लिए रबाना हुए इस उपलक्ष मे भाजपा नेता बिट्टू जोशी ने शिव भक्तो का फूल मालाय पहनाकर उनकी यात्रा सफल होने के लिए शिव मंदिर मे जाकर महादेव की पूजा अर्चना की नीलकंठ महादेव की यात्रा मे रबाना हुए सौरभ जोशी पंकज जोशी गोली भार्गव रवि जोशी आदि मौजूद रहे।

नाप-तोल में कमी और झूठ पर आधारित व्यापार हराम और विनाशकारी है: मुफ्ती कफील

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। जमीअत उलमा ज़िला बिजनौर के नायब नाज़िम मुफ्ती कफील अहमद मज़ाहिरी ने अपने प्रेस नोट में कहा कि इस्लाम में व्यापार केवल एक दुनियावी मामला नहीं, बल्कि एक इबादत (पूजनीय कार्य) का दर्जा रखता है। लेकिन इसके लिए ज़रूरी है कि ईमानदारी, सच्चाई और न्याय को आधार बनाया जाए। नाप-तोल में कमी करना और झूठ बोलकर व्यापार करना न केवल सामाजिक भ्रष्टाचार को जन्म देता है, बल्कि शरीअत के अनुसार हराम और बड़ा गुनाह है। उन्होंने सूरह मुतफ़्फ़िफ़ीन की शुरुआती आयतों का हवाला देते हुए कहा कि अल्लाह तआला ने ऐसे लोगों के लिए सख्त विनाश और तबाही की चेतावनी दी है, जो नाप-तोल में कमी करते हैं।

बेटी की लाश से 1 लाख रुपये के गहने चोरी, बेंगलुरु भगदड़ की पीड़िता की मां का आरोप

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु भगदड़ में जान गंवाने वाली किशोरी की मां ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई त्रासदी के समय उनकी बेटी से गहने पहने थे, जिनकी कीमत एक लाख रुपये थी। मगर, जब उसका शव परिवार को सौंपा गया तो गहने गायब थे। 13 साल की दिव्यांशी कक्षा 9 की छात्रा थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल खिताब जीतने के उत्सव के दौरान भगदड़ में वह अपनी जान गंवा बैठी। 11 पीड़ितों में वह सबसे कम उम्र की थी।

दिव्यांशी की 35 वर्षीय मां अश्विनी शिवकुमार ने गहने गायब होने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। एफआईआर में कहा गया कि 4 जून की शाम को बोवरिंग अस्पताल लेकर जाते समय उसके शव पर सोने की बालियां और चेन मौजूद थीं। परिवार को शुरू में गहनों के गायब होने का पता नहीं चला। कुछ समय बाद उन्हें इसकी जानकारी हुई। आरोप है कि एक लाख रुपये की कीमत के गहने उस मुर्दाघर से चोरी हुए, जहां शव रखा गया था। येलहंका की निवासी मृतका की मां ने अपनी शिकायत में कहा, इन गहनों से बहुत भावनात्मक लगाव है, क्योंकि ये मेरी बेटी ने अपने अंतिम क्षणों में पहने थे। उन्होंने इस मामले की जांच की मांग की है। 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत का उत्सव आयोजित हुआ। इस दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई।

अरबों की जिस जमीन को बताया था मस्जिद की, वह नगर निगम की निकली

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अरबों रुपए की बेशकीमती जमीन को छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड की संपत्ति बताने वाले दावे को रायपुर संभागायुक्त ने खारिज कर दिया है। सालों से छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड दावा कर रहा था कि नयापारा इलाके के खसरा नंबर 689 जिसका रकबा साढ़े चार एकड़ से ज्यादा है, यह जमीन नयापारा मस्जिद की है। इस जमीन को फजले करीम का बाड़ा कहा जाता रहा है। जांच के बाद जिला प्रशासन ने इस जमीन को रायपुर नगर निगम की बताया है। बता दें कि इस मामले में अपर कलेक्टर ने पहले ही जांच के बाद वक्फ बोर्ड के दावे को खारिज कर दिया था। केस हारने के बाद वक्फ बोर्ड ने संभागायुक्त के यहां अपील की थी। इस केस में दूसरा पक्ष रायपुर नगर निगम था। दस्तावेजों की जांच के बाद संभागायुक्त ने नगर

निगम रायपुर के पक्ष में फैसला सुना दिया। रायपुर संभागायुक्त द्वारा दावा खारिज करने से छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड को बड़ा झटका लगा है। वक्फ बोर्ड ने अपने दावे में मस्जिद के आसपास की जमीन, फजले करीम का बाड़ा समेत नवीन मार्केट नामक कॉम्प्लेक्स, डबरी स्कूल, मैदान, कन्या शाला, ऊर्दू स्कूल, प्राथमिक शाला, सामुदायिक शौचालय और उससे जुड़े मकान-दुकान, जमीन पर मकान और भवन, बिजली आफिस को अपनी संपत्ति बताया था। निगम की ओर इस मामले में साल 1920-21 और 1923-24 के दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे। सरकारी रिकॉर्ड में जमीन रायपुर नगर निगम कमेटी और पुलिस विभाग के नाम पर दर्ज है। दस्तावेजों की जांच के बाद निगम को जमीन का मालिक बताया गया। जिसके बाद अब यहां बनी दुकानों, मकानों और अन्य निर्माणों से नगर निगम राजस्व वसूल सकेगा और नया निर्माण भी कर सकेगा। फैसले के बाद अब तक छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि वक्फ संशोधन अधिनियम के लागू होने के बाद छत्तीसगढ़ में वक्फ संपत्तियों की जांच प्रक्रिया तेज हो गई है। बीते अप्रैल महीने में ही केंद्र सरकार की एक उच्च स्तरीय 10 सदस्यीय टीम दिल्ली से सीधे छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंची थी और वक्फ संपत्तियों का निरीक्षण शुरू किया किया था। यह टीम वक्फ अधिनियम में हाल ही में किए गए संशोधनों के अनुरूप संपत्तियों की स्थिति, उपयोग और उनके रख-रखाव का आकलन कर रही है। रायपुर में करोड़ों रुपए की संपत्ति पर वक्फ बोर्ड ने दावा भी ठोका है।

लाडकी बहिन योजना में 14 हजार पुरुषों को मिले 21 करोड़

मुंबई, एजेंसी।
एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि स्कीम के तहत लगभग 14,000 पुरुषों को लाभ मिला है। सुले ने इसकी सीबीआई जांच की मांग कर दी। वहीं, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर ऐसे लाभार्थी पाए गए तो उनसे पैसा वसूला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए सुप्रिया सुले ने कहा, अगस्त 2024 में शुरू की गई लाडकी बहिन योजना के लाभार्थियों की लिस्ट में करीब 14 हजार पुरुष पाए गए और उन्हें लगभग 21 करोड़ रुपये बांटे गए हैं।

पुणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुप्रिया सुले ने कहा, यह पता लगाया जाना चाहिए कि स्कीम का

लाभ लेने के लिए इन आदमियों के नाम किसने दर्ज कराए। उन्होंने कहा कि सरकार छोटे-छोटे आरोपों में भी सीबीआई या ईडी जांच शुरू कर देती है। अब उसे सीबीआई जांच की घोषणा करनी चाहिए ताकि यह पता लगे कि किस ठेकेदार ने इन पुरुषों का नामांकन किया। उन्होंने कहा कि राज्य में सत्ताधारी गठबंधन सरकार को इस पर जल्द से जल्द ऐक्शन लेना होगा।

अजीत पवार का क्या है जवाब

राज्य में वित्त पोर्टफोलियो संभालने वाले अजीत पवार ने कहा, किसी भी पुरुष को लाभार्थियों में शामिल करने का कोई कारण नहीं है। अगर ऐसे आदमी हैं तो हम उनकी ओर से अब तक प्राप्त राशि की वसूली करेंगे। यदि वे सहयोग नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लाडकी बहिन योजना विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए है। योजना के लाभार्थियों की जांच के दौरान कुछ महिलाओं को नौकरी होने के बावजूद योजना के तहत पैसा मिलता पाया गया। उनके नाम हटा दिए गए हैं। महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने शनिवार रात अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया। इसमें बताया गया कि आईटी विभाग के डेटा के अनुसार, लाडकी बहिन योजना के 26.34 लाख लाभार्थी इसके लिए पात्र नहीं थे। कुछ मामलों में पुरुषों ने भी आवेदन किया था। इनके लाभ अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए गए हैं। तटकरे ने कहा कि जिला कलेक्टरों की रिपोर्ट के आधार पर पात्र लोगों के लाभ फिर से शुरू किए जाएंगे।

गूगल मैप के सहारे कार से घूम रही थी महिला, गाड़ी समेत खाई में गिरी; पुलिस ने बचाई जान

मुंबई, एजेंसी।
नवी मुंबई में एक महिला को गूगल मैप के सहारे घूमना महंगा पड़ गया। बेलापुर से उल्वे की तरफ आधी रात को जा रही महिला गाड़ी समेत खाई में गिर पड़ी। हालांकि थोड़ी देर बाद ही स्थानीय पुलिस और समुद्री सुरक्षा बलों ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत ही महिला की जान बचा ली। बाद में सुबह होने के बाद क्रेन के सहारे बाद में गाड़ी को निकाला गया। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना शुक्रवार रात करीब 1 बजे हुई। महिला अपनी कार से उलवे की ओर जा रही थी। बेलापुर की तरफ पुल से जाने की बजाय उसने गूगल मैप्स के सहारे नीचे का रास्ता पकड़ लिया। वह तेजी के साथ सीधे ध्रुव तारा जेट्टी की खाई में गिर गई। बेलापुर के पुलिस अधिकारी नारायण पालमपल्ले ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत ही समुद्री सुरक्षा गार्डों के साथ पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद उसे एक नाव की मदद से सुरक्षित बचाया गया। गूगल मैप्स के कारण लोगों के गलत जगह जाने और दुर्घटना होने का यह मामला नया नहीं है। इससे पहले भी गूगल मैप्स की वजह से कई दुर्घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में विरोध के बीच बड़ा बुलडोजर ऐक्शन, 4 घंटे में तोड़ डाला पूरा बाजार

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा वेस्ट के हरित क्षेत्र में पांच साल से चल रहे अवैध बाजार पर शनिवार को प्राधिकरण की टीम ने विरोध के बीच बुलडोजर चलाया। चार घंटे तक चली कार्रवाई में करीब 24 दुकानें ध्वस्त कर दीं। हरित क्षेत्र की एक लाख वर्गमीटर जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई गई।

ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ने वाली 130 मीटर चौड़ी सड़क पर सेक्टर-2 और 3 के पास हरित क्षेत्र में अतिक्रमण कर कुछ लोगों ने मार्केट बना लिया। यह हरित क्षेत्र पतवाड़ी गांव के खसरा संख्या- 663, 668, 670, 725, 729, 730, 739, 740 और 741 आदि की जमीन पर स्थित है।

कुछ लोगों ने यहां पर अवैध रूप से ऑटोमोबाइल, एल्युमीनियम के सामान बनाने और पत्थर की दुकानें चला रहे थे। नोटिस के बाद भी दुकान नहीं हटाई गई। परियोजना विभाग के महाप्रबंधक एके सिंह के नेतृत्व में उद्यान विभाग और भूलेख विभाग की टीम शनिवार सुबह छह बजे मौके पर पहुंची।

अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल की मौजूद होने की वजह से कोई विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। सुरक्षा की दृष्टि से कार्रवाई के दौरान एडिशनल सीपी हृदेश कठेरिया, एसीपी वीर सिंह, एसीपी दीक्षा सिंह और एसीपी वर्णिका सिंह कोतवाली पुलिस व कमांडो मौजूद रहे। हरित क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

उत्तराखंड में यूसीसी का असर: विवाह पंजीकरण में आई तेजी, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सराहा

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के तहत विवाह पंजीकरण में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि यूसीसी कानून न केवल समाज को कानूनी रूप से अधिक संगठित बनाता है, बल्कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके हितों की रक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है। उत्तराखंड सीएमओ की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यूसीसी के तहत प्रत्येक पंजीकरण राज्य के सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक है।

27 जनवरी 2025 को उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने के बाद, विवाह पंजीकरण में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की

गई है। यूसीसी अधिनियम के तहत अब तक कुल 3,01,526 विवाह पंजीकृत किए जा चुके हैं। यह संख्या औसतन 1,634 विवाह पंजीकरण प्रतिदिन है, जो पिछली व्यवस्था से कई गुना अधिक है। उल्लेखनीय है कि यूसीसी लागू होने से पहले वर्ष 2010 से 26 जनवरी 2025 तक उत्तराखंड विवाह पंजीकरण अधिनियम 2010 के तहत कुल 3,30,064 विवाह पंजीकृत किए गए थे, जिनका औसत प्रतिदिन 67 था।

समान नागरिक संहिता लागू होने से विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया और अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी हो गई है। इसके फलस्वरूप विवाह पंजीकरण को लेकर नागरिकों में उत्साह देखा जा रहा है। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता के अंतर्गत विवाह पंजीकरण की समय-सीमा पूर्व निर्धारित 6 माह से बढ़ाकर 1 वर्ष कर दी है। इस संबंध में विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

शीशपाल की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। बढ़ती अफवाहों का बाजार बीती देर रात उस समय एक बार और गर्म हो गया। जब यहां नूरपुर रोड पर मनोज फर्नीचर के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त शिशपाल (52) पुत्र झींगरा सिंह निवासी मोहल्ला तकी सराय के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि शिशपाल धामपुर में अपने बेटे विपिन के साथ मिठाई की दुकान पर काम करता था और शाम 7 बजे घर वापस आने को बोलकर वहां से निकला था। लेकिन वो तो घर वापस नहीं आए लेकिन यहां नूरपुर में उनकी लाश जरूर मिली, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी थी।

स्कूल में मनाया गया हरियाली तीज का कार्यक्रम

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। वीके इंटरनेशनल स्कूल में हरियाली तीज का त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय की सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्राओं ने मेंहदी के सुंदर डिजाइन बनाकर सभी का मन मोह लिया। साथ ही विद्यालय में झूला भी लगाया गया। सभी अध्यापिकाओं तथा छात्राओं ने झूला झूल कर हरियाली तीज के त्यौहार का आनंद लिया। प्रधानाचार्या प्रेरणा चौधरी ने सभी को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी। अध्यापिका समाना नकवी, शायका, आशु सैनी, अंजू चौहान, प्रियंका त्यागी, महजबी महताब, नविता चौहान, रूपम शर्मा आदि उपस्थित रहीं।

भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। वृक्षारोपण

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस नगीना के परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नगीना के लोक निर्माण विभाग अतिथि गृह (पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस) परिसर में भाजपाइयों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम में परिसर के अंदर फलदार पेड़ रोपित किए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष सौरव मित्तल,जिला समन्वयक खेल चयन समिति रोहित कुमार रवि, मंडल महामंत्री सचिन शर्मा,जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा कयूम राइन उपस्थित रहे।

भाजपा विधायक ओम कुमार ने गुलदार के हमले से मरी बालिका के परिजनों में पहुंचकर सत्ववना दी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। विधायक ओमकुमार ने गांव मंडौरी पहुंचकर गुलदार के हमले मारी गई बालिका कनिका के परिजनों को सांत्वना दी। साथ ही उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को गुलदार को पकड़ने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पीड़ित परिवार के मकान के पास प्रकाश व्यवस्था कराने के लिए लाइट लगवाई। इसके अलावा ग्रामीणों की समस्याएं सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को उनके तत्काल निश्तारण के निर्देश दिए। महेश प्रधान, हरपाल सिंह, एड.प्रदीप कुमार, भूदेव सिंह, घनश्याम सिंह, रामपाल सिंह, महेन्द्र सिंह, संजीव कुमार, महावीर सिंह, नौबहार सिंह आदि उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन टिकेत ग्रुप ने नगीना तहसील का प्रचार मंत्री मोहम्मद मुर्तजा को बनाया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। भारतीय किसान यूनियन टिकेत ग्रुप की एक मीटिंग मोहम्मद मुर्तजा के निवास स्थान बढ़ापुर क्षेत्र की ग्राम तारापुर में आयोजित हुई जिसमें नगीना तहसील अध्यक्ष डॉक्टर धर्मवीर सिंह ने मोहम्मद मुर्तजा की मेहनत और लगन को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन टिकैत का तहसील प्रचार मंत्री बनाया जिसमें निम्नलिखित लोग शामिल हुए श्री महेंद्र सिंह पूर्व प्रधान तहसील संरक्षक , पंडित उमेश चंद्र शर्मा जिला प्रचार मंत्री, अनिल चौहान जिला सचिव वीरेंद्र कुमार तहसील उपाध्यक्ष, अर्जुन सिंह तहसील प्रचार मंत्री शाहिद मंसूरी वरिष्ठ किसान नेता,अब्दुल शमी कार्यकर्ता, बलराम सिंह तहसील संगठन मंत्री महेंद्र सिंह ग्रामीण अध्यक्ष, धर्मपाल सिंह कार्यकर्ता और अन्य तारापुर के लोग शामिल हुए।

पुष्पा लाहोटी के निवास पर हरियाली तीज का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मना

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। हलचल म्यूजिकल सोसाइटी की संरक्षिका पुष्पा लाहोटी के निवास पर हरियाली तीज का त्यौहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्थानीय मोहल्ला बारादरी स्थित हलचल म्यूजिकल सोसाइटी की संरक्षिका पुष्पा लाहोटी के निवास रामचरण निकेतन में महिलाओं ने झूला झूलते हुए सावन के गीत गाये,और नृत्य भी किया।हरियाली तीज कार्यक्रम में स्वाति गुप्ता,खुशी गुप्ता,सुकृति,अलका,स्वाति अग्रवाल,स्वाति जैन,डॉ अंजू बिश्नोई,ममता अग्रवाल,रुचि अग्रवाल,गीता माहेष्वरी, सुषमा अग्रवाल,दीप लाहोटी आदि महिलाओं ने भाग लिया।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़: पति-पत्नी समेत 5 गिरफ्तार 3 महिला मुक्त कराई

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली सीमा के नजदीक जनपद गाजियाबाद के थाना अंकुर विहार इलाके में पुलिस ने एक सक्रिय सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक पति-पत्नी सहित तीन युवक और एक महिला शामिल हैं। इस दौरान जबरन देह व्यापार में धकेली गई तीन महिलाओं को भी पुलिस ने सुरक्षित रेस्क्यू कराया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तुषार मित्तल, कृष्णा दुबे, अमर रावत और एक महिला के रूप में हुई है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने इनके पास से एक डायरी, क्यूआर कोड स्कैनर, मोबाइल फोन, आपत्तिजनक सामान, ₹2000 नकद, साथ ही आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस की पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आरोपी महिलाओं को नौकरी और पैसों का लालच देकर इस धंधे में जबरन लाते थे। फिर ग्राहकों से मोटी रकम वसूलते और महिलाओं को केवल मामूली भुगतान किया जाता था। सरगना ने बताया कि उन्होंने लगभग तीन महीने पहले देह व्यापार का यह धंधा शुरू किया, और वॉट्सऐप पर युवतियों की तस्वीरें भेजकर ग्राहकों को बुलाते थे।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है और गिरोह के नेटवर्क व आपराधिक इतिहास की गहन जांच की जा रही है।

अंकुर विहार थाना पुलिस ने कहा है कि यह कार्रवाई समाज में चल रहे गैरकानूनी धंधों पर सख्त नियंत्रण का हिस्सा है और इस मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की तलाश भी की जा रही है।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें, ताकि समाज को इस तरह के अपराधों से सुरक्षित रखा जा सके।

जननायक एक्सप्रेस से कटकर व्यक्ति की मौत आत्महत्या की आशंका

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

क्षेत्र के अंतर्गत शाम एक दर्दनाक रेल हादसा सामने आया। जिसमें गांव रवाना शिकारपुर निवासी महेंद्र (55 वर्ष), पुत्र मागू सिंह की जननायक एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 15211) से कटकर मौके पर ही मौत हो गई। हादसा अपलाइन पर खंभा संख्या 1445/19 के पास हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना लगभग शाम 4:00 बजे की है, जब अपलाइन ट्रैक पर महेंद्र का क्षत-विक्षत शव पाया गया। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तत्काल रेलवे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेते हुए शिनाख्त की प्रक्रिया पूरी की।

प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेजा गया है।

घटना के बाद मृतक के गांव और परिवार में शोक की लहर फैल गई है।

दहेज हत्या के आरोपी पति और ससुर गिरफ्तार

दहेज में कार न मिलने से नाराज पति ने किया था पत्नी को प्रताड़ित, शिवानी ने जहर खाकर दी थी जान

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद में दहेज के लालच ने एक और बेटी की जान ले ली। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे मृतका के पति प्रदीप शर्मा और ससुर राकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला 24 जुलाई का है, जब युवती की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका के भाई केशव ने थाने में शिकायत दी कि उसकी बहन शिवानी को उसके पति और ससुरालियों ने दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया और जहर देकर मार दिया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 25 जुलाई को महिला के साथ क्रूरता, धमकी और अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों की तलाश में टीमें गठित कीं।

27 जुलाई को पुलिस ने तिगरी गोल चक्कर के पास से दो नामजद पति प्रदीप शर्मा और ससुर राकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में पति प्रदीप शर्मा ने कबूल किया कि सन 2020 में उसकी शादी बदायूं की रहने वाली शिवानी के साथ हुई थी और शादी में उसे उम्मीद से कम दहेज मिला, खासकर गाड़ी न मिलने को लेकर वह अक्सर नाराज रहता था। उसने बताया कि इसी कारण वह और उसके परिवारजन शिवानी को अक्सर ताने देते और प्रताड़ित करते थे, जिससे तंग आकर उसने ज़हर खा लिया। शिवानी के भाई केशव ने थाने में लिखित शिकायत देकर कुल 5 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था पुलिस ने पति और शिवानी के ससुर को गिरफ्तार कर लिया है लेकिन अभी प्रदीप की बुआ गुडडो, मीरा और बहन बबली फरार हैं।

ठेकेदार ने रेजर पर लगाया परमिट के नाम पर 50,हजार हडपने का आरोप, कोर्ट से भिजवा नोटिस

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

धामपुर रेंजर पर ठेकेदार ने पेड़ों का परमिट बनवाने के नाम पर 50 हजार रुपए हड़पने का आरोप लगाते हुए कोर्ट से नोटिस भिजवाया। कोर्ट से नोटिस आने पर वन विभाग मे हड़कंप मच हुवा हैं। रेंजर ने अपने ऊपर लेकर आरोपो को बेबुन्याद बताया है।

क्षेत्र के गांव कांसमपुर लेखराज निवासी अलीहसन पुत्र बालेशाह अपने अधिवक्ता द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र मे बताया की वह लकड़ी का ठेकेदार है। वह खराब पेडो का वन विभाग से परमिट बनवाकर पेडो को कटवाता है।

पीड़ित ने मौहम्मद यूसुफ पुत्र अब्दुल रशीद निवासी ग्राम व पोस्ट सदरूददीन नगर थाना नहटौर जिला बिजनौर से खतौनी संख्या 39 खसरा नम्बर 80 रकबा 2.440 हे0 स्थित समसपुर के 200 वृक्षो में से पुराने व फलहीन 45 वृक्ष आम के तथा इसी खसरा नम्बर में अंचल त्यागी पुत्र बिजेन्द्र सिंह त्यागी निवासी रविदास नगर नूरपुर के पुराने व फलहीन 47 वृक्ष आम के खरीदे थे, जिनका परमिट बनने के लिए करीब 22 महा पूर्व वन विभाग कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिये गये थे। उसके पश्चात मेरे परमिट बनवाने के लिए शमीम पुत्र मोहम्मद शाह निवासी कासमपुर लेखराज तथा नईम अहमद पुत्र जलालुददीन निवासी मोहल्ला तकियागढी के साथ धामपुर कार्यालय पहुंचा तो आरोप है कि रेंजर ने परमिट देने की आवाज में 50 हज़ार रुपये देने को कहा। आरोप है कि पीड़ित ने अपने साथ गए दोनों लोगों के सामने ही कार्यालय धामपुर में रेंजर को नकद 50 हजार रुपए दिये थे।

लेकिन पेड़ो के परमिट नही बनाये गए, तब से लेकर आज तक धामपुर रेंजर द्वारा कोई न कोई बहाना बनाकर चला गया पीड़ित ठेकेदार को पता चला की धामपुर रेंजर गोविन्द राम गंगवार इसी महिने रिटायर हो रहे है और रिवयरमेन्ट के बाद उसका पैसा वापस नहीं मिलेगा। रेंजर द्वारा पैसे वापस नहीं करने पर पीड़ित ठेकेदार अपने अधिवक्ता के पास पहुँच गया और रेंजर को नोटिस भिजवा दिया नोटिस आने पर वन विभाग मे हड़कंप मच गया।

रेंजर को नोटिस मिलने के तुरन्त बाद 50 हजार रुपए व नोटिस खर्च 5000 रुपये देने के लिए कहा गया, पैसे वापस ना देने पर धामपुर रेंजर गोविन्द राम गंगवार के खिलाफ कार्यवाही के लिए कहा गया है।

इस संबंध में जब धामपुर रेंजर गोविंद राम गंगवार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि 6 महा पूर्व ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसलिए दबाव बनाने के लिए यह नोटिस भिजवाया गया है। उन्होंने बताया कि उनके ऊपर लगाया गया आरोप बेबुन्याद है।

बिजनौर शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह को प्रशासन ने घर में किया नजर बंद

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह को स्थानीय प्रशासन द्वारा कल रात से ही नजर बंद कर दिया गया है ।ज्ञात हो कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह के नेतृत्व में शिव सैनिकों की टीम सावन के पवित्र माह में संभल जलाभिषेक के लिए दिनांक 27 जुलाई को प्रस्थान करेगी।

लेकिन सरकार की मंशा हमेशा हिंदू उत्पीड़न की हमेशा रही है। हम हिन्दू वादी सरकार में भी अपने आराध्य भगवान शिव की पूजा/जलाभिषेक के लिए संभल नहीं जा सकते। ऐसा लगता है कि हम अपने भारत देश में नहीं अपितु पाकिश्तान में जलाभिषेक के लिए जा रहे। प्रशासन धर्मांतरण, लव जिहाद, चोरी जैसी घटनाओं को रोकने में विफल रही हो और आज शिव सैनिको को रोकने के लिए प्रशासन का विशेष अमला मुझे नजर बंद करने के लिए मेरे आवास पर रात्रि से ग्रश्त दे रहे हैं। मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी से अनुरोध करता हूं कि शिव सैनिकों को संभल में जलाभिषेक की अनुमति प्रदान करें।

पुरानी पेंशन बहाली का संघर्ष मिलकर करेंगे तो निश्चित मिलेंगे सुखद परिणाम: चंद्रहास सिंह

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

राजकीय वाहन चालक महासंघ के कर्मचारी एक अगश्त को होने वाले रोष मार्च करेंगे प्रतिभाग पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर अटेवा पेंशन बचाओ मंच उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय आह्वान पर जिला मुख्यालय पर होने वाले एनपीएस-यूपीएस एवं निजीकरण के विरोध में रोष मार्च की सफलता को लेकर विकास भवन में स्थित राजकीय वाहन चालक संघ के जिला कार्यालय पर राजकीय वाहन चालक महासंघ के जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह की अध्यक्षता एवं जिला मंत्री सुनील दत्त शर्मा के संचालन में बैठक आयोजित हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए अटेवा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पश्चिमी ज़ोन प्रभारी चंद्रहास सिंह ने सभी कर्मचारियों से आगामी 1 अगश्त को होने वाले रोष मार्च में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि पुरानी पेंशन हमारा संवैधानिक अधिकार और एनपीएस-यूपीएस एवं निजीकरण हमारे साथ धोखा है।

संघर्ष की बदौलत सरकार एनपीएस से यूपीएस की कदम बढ़ाया है और संघर्ष से ही यूपीएस से ओपीएस लागू करेगी। जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं होगी तब तक संघर्ष जारी रहेगा। राजकीय वाहन चालक महासंघ के श्रेत्रीय मंत्री मंडल मुरादाबाद संजीव कुमार ने कहा कि पुरानी पेंशन हमारे भविष्य की लाठी जिसके लिए अटेवा द्वारा 1 अगश्त को रोष मार्च निकाला जाएगा जिसमें हमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

जिला राजपाल सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली का संघर्ष अटेवा ईमानदारी से कर रहा है राजकीय वाहन चालक महासंघ अटेवा के इस संघर्ष में साथ है और 1 अगश्त को राजकीय वाहन चालक महासंघ के सभी कर्मचारी रोष मार्च में शामिल होंगे।

इस अवसर पर वाहन चालक संघ चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के जिलाध्यक्ष फ्रैंक आस्किंन मंत्री नरेंद्र कुमार संगठन मंत्री अमित मेहरोत्रा राजस्व विभाग के अध्यक्ष संजय सिंह मंत्री ललित कुमार विकास विभाग से जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह जिला मंत्री अजय कुमार गन्ना विभाग से विजेंद्र सिंह बृजेश चौधरी संदीप सिंह धर्मेंद्र सुशील मीनू कुमार जवर सिंह हेमराज सिंह वन विभाग के जिला मंत्री राजीव कुमार चन्द्र देव विमल कुमार जितेंद्र कुमार सोराब खा आदि मौजूद रहे।

भाजपा नेता रोहित कुमार रवि का हुआ जोरदार स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की महत्वाकांक्षी योजना सपोर्ट फॉर स्कूल की जिला खेलकूद चयन समिति का सदस्य बनाए जाने के उपरांत नगीना आगमन पर लोक निर्माण विभाग मीटिंग हॉल में भाजपा मंडल कार्य समिति की बैठक में पूर्व जिला उपाध्यक्ष व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजीत अग्रवाल एवं कार्यक्रम की अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष अंजलि मित्तल द्वारा पटका पहनाकर पार्टी पदाधिकारीयों के साथ मिलकर रोहित कुमार रवि का स्वागत किया।

कार्यक्रम में अजीत अग्रवाल द्वारा आगामी पार्टी कार्यक्रमों की योजना भी बताई गई। कार्यक्रम में पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजीत अग्रवाल,पूर्व विधायक सतीश गौतम, मंडल अध्यक्ष अंजलि मित्तल, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा इंदु ठुकराल,पूर्व मंडल अध्यक्ष नीरज बिश्नोई,पूर्व मंडल अध्यक्ष सौरव मित्तल मंडल महामंत्री सचिन शर्मा,मंडल उपाध्यक्ष लवि मित्तल, पंकज मंडल उपाध्यक्ष अरुण शर्मा,अनुज वर्मा, चंद्र प्रकाश,पूर्व सभासद शिव शंकर सक्सेना, सभासद गोपाल सिंह, आदि सिंह राठौड़, अतुल भारती, मनोहर सिंह, हरपाल सिंह, ओम प्रकाश सैनी, राजन कुमार, सोहन सैनी, तिलक राज मुथरेजा, एड. अमिचंद रवि डा0 उदयराज सिंह, आदेश चौहान, शेख जमीलउद्दीन, शक्ति केंद्र संयोजक पंकज सैनी एवं पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मालगाड़ी की चपेट में आकर युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

मालगाड़ी की चपेट में आकर एक युवक की गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार थाना जनपद बिजनौर के ग्राम तरीकमपुर उपन काजीवाला निवासी राजकुमार का 17 वर्षीय पुत्र निकित शनिवार को किसी समय थाना नगीना के मोहल्ला आजाद कालोनी लाइनपार अपनी मोसी के घर आया हुआ था।

बताया जाता है। ग्राम काजीवाला में निकित के मौसा की भतीजी की मौत हो गई थी। जिससे नगीना से उसकी मौसी का परिवार ग्राम काजीवाला सूचना मिलते ही शनिवार को निकल गया था। आज सुबह उसका मौसरा भाई अकोत भी ग्रा काजीवाला के लिए निकल गया घर पर निकित रूक गया था। बताया जाता है।

निकित भी सुबह 10 बजे। आजाद कालोनी लाइनपार से नगीना रेलवे फाटक होता हुआ। नगीना नजीबाबाद प्राईवेट बस स्टैंड के पास से रेलवे पोल संख्या 1475/22 पर पहुंच गया। और सुबह 10-35 पर नजीबाबाद की ओर से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आकर गम्भीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मालगाड़ी के चालक ने नगीना स्टेशन मास्टर को दी। स्टेशन मास्टर ने तुरंत जीआरपी पुलिस चौकी प्रभारी रोहितश को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही जीआरपी प्रभारी अपने सहयोगी पुलिस कर्मियों के साथ आनन-फानन में घटना स्थल पहुंचे। और घायल निकित को एम्बुलेंस गाड़ी से नगीना सीएचसी लेकर पहुंचे।

जहां पर चिकित्सा प्रभारी ने घायल निकित को देखकर मृत घोषित किया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन व उसके रिश्तेदार रोते बिलखते नगीना सीएचसी पहुंचे। जहां पर जीआरपी प्रभारी ने मृतक के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए घ्शव को बिजनौर भेजा। उधर लोगों ने बताते हुए कहा कि यह अपने गांव की एक रिश्तेदार युवती से प्रेम करता था।

उस युवती ने शनिवार को फांसी लगाकर आत्मा हत्या कर ली। इसने आज सुबह रेलवे लाइन पर पहुंचकर मालगाड़ी के सामने आकर अपनी जान गवा दी। कुछ लोगों ने यह भी जानकारी दी तेज रफ्तार आ रही मालगाड़ी के सामने दोनों हाथ ऊपर करके कूद गया।

प्रेस क्लब की नगर कार्यकारिणी घोषित

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

अखिल भारतीय पत्रकार प्रेस क्लब स्योहारा की नवनिर्वाचित नगर कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसकी अध्यक्षता नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष आरिफ हसन ज़ैदी ने की। संगठन की मजबूती और पत्रकारों को एक मंच पर लाने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नगर के ईमानदार और कर्मठ पत्रकारों को कार्यकारिणी में स्थान देते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं अपनी धारदार लेखनी के लिए प्रसिद्ध फरीद अंसारी को नगर महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं पत्रकार डॉ. इकबाल अहमद उर्फ डॉ. विशाल को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। संगठन के कोषाध्यक्ष के रूप में मो. इकराम को चुना गया, जबकि नगर सचिव की जिम्मेदारी हसन इमाम नकवी को दी गई।

संगठन मंत्री के पद पर निकेश कुमार भटनागर की नियुक्ति की गई है, जिनसे संगठन में समन्वय और मजबूती की अपेक्षा जताई गई है। साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता अनुराग भटनागर को संगठन का कानूनी सलाहकार बनाया गया है, जिससे कानूनी दिशा में भी संगठन को मजबूती मिलेगी।

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में मरीजों की आंखों की जांच की

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

रामा विष्णु सरस्वती शिशु मंदिर में हिमालय अस्पताल जॉली ग्रांट के तत्वाधान में एक दिवसीय निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें 50 मरीजों की आंख से संबंधित बीमारियों की जांच की साथ ही 7 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया।

रविवार को स्कूल परिसर में आयोजित एकदिवसीय कैंप में क्षेत्र के लोगों ने पहुंचकर आंख से संबंधित बीमारियों के चेकअप के लिए अपना पंजीकरण कराया जिसमें डॉक्टर आशीष ने बताया कि लगभग 50 मरीजों का पंजीकरण किया गया जिसमें सभी मरीजों का ब्लड प्रेशर चेक कराया गया तथा 7 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया।

डॉक्टर आशीष ने बताया कि गर्मी के मौसम के चलते धूल से आंखों को बचाकर रखे चश्मा लगाए आंखों पर बार-बार पानी के छपकों से ना धोये सर पर कपड़ा रखें तथा आंखों को पूरी तरह से सुरक्षित रखें वह मोबाइल का इश्तेमाल कम करें इससे पूर्व शिविर का शुभारंभ स्कूल के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित करके किया।

डॉक्टरों की टीम में डाक्टर मनोज वर्मा, डॉक्टर आशीष डॉक्टर अनमोल महाजन, डॉक्टर शिल्पी चौहान, चिन्मय गुप्ता, ईशा आदि कर्मचारी मौजूद रहे साथ ही स्कूल के प्रधानाचार्य मनोज शर्मा,प्रबंधक विनिल त्यागी, नवीन अग्रवाल, अरुण कुमार शिवकुमार अनिल कुमार शगुन वर्मा वैभव जैन सौरभ शर्मा सीमा गुप्ता सरिता अग्रवाल प्रीति अग्रवाल आदि गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

'ग्रेट इंडिया एकेडमी, झालू ने निकाली तम्बाकू विरोधी रैली स्वास्थ्य सुरक्षा का दिया सशक्त संदेश'

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

आज के दौर में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सबसे बड़ा कारण नशे की लत और तम्बाकू सेवन है।

इसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने के उद्देश्य से ग्रेट इंडिया एकेडमी, झालू ने आज झालू नगर में एक विशाल जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया। इस रैली का मुख्य संदेश था 'तम्बाकू का सेवन बंद करो, यह स्वास्थ्य के लिए घातक है।'

रैली का आयोजन विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों के सहयोग से हुआ। इसका संचालन प्रधानाचार्य श्री मुकुल शर्मा, प्रबंधक श्री गौरव डावरा, उप-प्रधानाचार्या श्रीमती दीक्षा डावरा और अकादमिक डीन श्री आयुष कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया।

रैली को सफल बनाने में श्री अर्नव चौधरी (PTI), श्री करण सिंह, श्री नितिन भारद्वाज, श्री अरिफ फैज़, श्रीमती ललिता मिश्रा, सुश्री गुलफिशा परवीन, श्री अनुज शर्मा और श्री कुसाग्र कुमार का विशेष सहयोग रहा।

रैली की शुरुआत विद्यालय परिसर से हुई, जहाँ छात्रों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने 'तम्बाकू छोड़ो जीवन की ओर बढ़ो', 'नशा-मुक्त भारत हमारा सपना', 'स्वस्थ तन में स्वस्थ मन' जैसे नारे लगाते हुए समाज को जागरूक किया।

छात्रों और शिक्षकों ने पूरे शहर में घूमकर लोगों को बताया कि तम्बाकू सेवन से न केवल कैंसर, फेफड़ों की बीमारियाँ, हृदय रोग और मौखिक कैंसर जैसी गंभीर समस्याएँ होती हैं, बल्कि यह धीरे-धीरे जीवन को भी नष्ट कर देता है।

रैली झालू नगर के मुख्य बाजार, सब्जी मंडी, बस स्टैंड और कई प्रमुख चौकों से होकर गुजरी।

स्थानीय नागरिकों ने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि विद्यालय का यह प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाएगा।

रैली के अंत में विद्यालय परिसर में सभी छात्रों और शिक्षकों ने एक सामूहिक शपथ ली: 'हम तम्बाकू और नशे का सेवन नहीं करेंगे, और दूसरों को भी इसके नुकसान के बारे में जागरूक करेंगे।'

संपादकीय

धनखड़ के इस्तीफे ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने, मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से सभी 12 आरोपियों के बरी होने और संसद के हंगामेदार मानसून सत्र पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी है। उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर जालंधर से प्रकाशित पंजाबी जागरण लिखता है- उपराष्ट्रपति के अचानक इस्तीफे से उठ रहे कई सवाल सही हैं और उनका जवाब मिलना चाहिए, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि जवाब मिलेंगे या नहीं। उनका इस्तीफा इसलिए भी अधिक आश्चर्यजनक है, क्योंकि दिन में वे सदन में सक्रिय थे और रात में उन्होंने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि स्वास्थ्य कारणों से उन्हें ऐसा करना पड़ रहा है।

कयास लगाए जा रहे हैं कि उनके और सरकार के बीच किसी मुद्दे पर मतभेद हो गए और फिर वे इस हद तक बढ़ गए कि उन्होंने इस्तीफा देना ही उचित समझा। अखबार लिखता है- उपराष्ट्रपति का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब भाजपा अपना नया अध्यक्ष चुनने की जद्दोजहद में लगी हुई है। अब भाजपा को उपराष्ट्रपति पद के लिए भी उम्मीदवार ढूंढना होगा। जाहिर है जगदीप धनखड़ ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'रोजाना स्पोक्समैन' लिखता है- धनखड़ ने अपना राजनीतिक जीवन जनता दल से शुरू किया और प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की सरकार में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। जनता दल के पतन के बाद, वे कांग्रेस में शामिल हो गए। वह 2003 से भाजपा में थे और उसी पार्टी ने उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया।

अगस्त 2022 में, उन्होंने एनडीए के उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति चुनाव जीता। जालंधर से प्रकाशित 'अजीत' लिखता है- वे पिछले तीन सालों से उपराष्ट्रपति पद पर थे, समय-समय पर उनके द्वारा दिए गए स्पष्ट बयानों से सरकार सहित अन्य पक्ष नाराज होते देखे गए। इस घटना ने निस्संदेह भारत के संसदीय इतिहास में एक नया और अनूठा अध्याय जोड़ा है। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'देशसेवक' लिखता है- उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे को लागू करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। इससे पहले उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने और आर. वेंकटरमन ने इस्तीफा दिया था, लेकिन दोनों के इस्तीफे की वजह ख़ास थी। यह समझना मुश्किल नहीं है कि धनखड़ के इस्तीफे का कारण सिर्फ़ स्वास्थ्य समस्याएं नहीं हैं, बल्कि असली कारण को छुपाया जा रहा है।

जालंधर से प्रकाशित नवां जमाना लिखता है- कुछ सांसदों का दावा है कि धनखड़ को पहले से ही पता था कि उनका इस्तीफा मांगा जाएगा, यही वजह है कि उन्होंने जानबूझकर सत्र के पहले दिन खड़गे को बोलने का समय दिया। उनके मुताबिक, इस्तीफा भी किसी ताकतवर नेता ने लिखा था, धनखड़ ने सिर्फ़ दस्तख़त किए थे। अगले साल मई में वे 75 साल के हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। आरएसएस ने नरेंद्र मोदी पर इस्तीफ़ा देने का दबाव बनाने के लिए धनखड़ को इस्तीफ़ा देने के लिए राज़ी किया है। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है- उपराष्ट्रपति के इस्तीफे के निर्णय को विडंबनापूर्ण बनाने वाली बात यह है कि इसमें विपक्ष की भूमिका में बदलाव आया है। कुछ महीने पहले ही कांग्रेस जैसी पार्टियां उन पर संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही की मांग कर रही थीं।

आज, वे यह दावा करके उनकी प्रतिष्ठा का बचाव कर रहे हैं कि उनके जाने के पीछे गहरे कारण हैं। भाजपा की चुप्पी इस कहानी को और हवा दे रही है। उनके आलोचकों ने उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जो संवैधानिक निष्पक्षता और पार्टी निष्ठा के बीच की रेखा को धुंधला कर रहा था।

2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा सभी 12 आरोपियों को बरी करने पर चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है- मुंबई ट्रेन बम विस्फोट भारत में हुए अब तक के सबसे भीषण आतंकवादी हमलों में से एक था। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपना अपराध साबित करने में नाकाम रहा है। अखबार लिखता है- ऐसे समय में जब 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से एनआईए पूछताछ कर रही है और पहलगाम हमले की जांच जारी है, पाकिस्तान को भारत की जांच एजेंसियों पर सवाल उठाने का हौसला मिलेगा। जालंधर से प्रकाशित अज दी आवाज लिखता है- निचली अदालत ने लगभग 9 साल बाद अपना फैसला सुनाया, जबकि बॉम्बे हाईकोर्ट की विशेष पीठ को भी अपना फैसला सुनाने में लगभग 9 साल लग गए। इस कानूनी पचड़े में सिर्फ़ पीड़ितों का ही नुकसान होगा, जिन्हें न्याय के लिए अभी और इंतज़ार करना होगा। अखबार लिखता है- हमारा कानून उन लोगों के बारे में चुप है जो बिना कोई अपराध किए 17 साल से जेल में हैं।

क्या वे बिना किसी गलती के अपनी ज़िंदगी का एक बड़ा हिस्सा जेल में बिताने के लिए मुआवज़े के हक़दार नहीं हैं? जालंधर से प्रकाशित पंजाबी जागरण लिखता है- यदि आतंकवाद के सबसे गंभीर मामलों में हमारी न्यायिक प्रणाली इतनी धीमी गति से काम करती है, तो यह दावा नहीं किया जा सकता कि भारत आतंकवाद से सख्ती से निपट रहा है। यही अंतर्राष्ट्रीय समुदाय यह भी सवाल उठा सकता है कि भारत की जांच एजेंसियां और न्यायिक प्रणाली आतंकवाद के गंभीर मामलों में भी सतर्क और सक्रिय क्यों नहीं हैं। पटियाला से प्रकाशित रोजाना आशियाना लिखता है- यह मामला निचली अदालतों के काम करने के तरीके पर भी एक बड़ा सवालिया निशान है। महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। देश को उम्मीद है कि इस बार तथ्य सही ढंग से पेश किए जाएंगे।

संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे और कामकाज ठप होने पर जालंधर से प्रकाशित अजीत लिखता है- संसद में पहले ही दिन इतना हंगामा क्यों मचा, जबकि सत्र से पहले इस बात पर पूरी सहमति थी कि सभी दलों की भागीदारी से महत्वपूर्ण मुद्दों पर विश्तृत चर्चा होगी। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'देशसेवक' लिखता है- विपक्ष लंबे समय से मांग कर रहा है कि पहलगाम और उसके जवाब, ऑपरेशन सिंदूर के बारे में खुली चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष सरकार से जानना चाहता है कि बिहार में मतदाता सूचियों में इस नाजुक समय में बड़े पैमाने पर संशोधन के पीछे असली मकसद क्या है। वहीं उपराष्ट्रपति के अचानक इश्तीफे को लेकर अब एक नया सवाल खड़ा हो गया है। अखबार लिखता है- ऐसा लगता है कि जब तक प्रधानमंत्री संसद में उपस्थित नहीं होंगे, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित रहेगी।

पटियाला से प्रकाशित चढ़दीकलां लिखता है- हाल ही में संसद के बाहर सरकार और विपक्ष के बीच बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ और भाषा विवाद जैसे मुद्दों पर झड़पें हुई हैं, लेकिन उम्मीद है कि ये झड़पें सदन के भीतर सकारात्मक बहस तक ही सीमित रहेंगी। पटियाला से प्रकाशित रोजाना आशियाना लिखता है, विपक्ष ने अपना एजेंडा तय किया है, लेकिन ध्यान रखा जाना चाहिए कि सत्र शोर-शराबे और हंगामे की भेंट न चढ़ जाए। अखबार लिखता है- इस मामले में इस साल के बजट सत्र को उदाहरण बनाया जा सकता है। बजट सत्र में राज्यसभा और लोकसभा की उत्पादकता क्रमशः 119 और 118 प्रतिशत रही। सत्र चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज़्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का न चलना समय के साथ-साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है।

अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

तनवीर जाफ़री

इस्त्राईल को लंबे समय से मिल रहे अमेरिकी संरक्षण से वैसे तो पूरी दुनिया भली भांति वाक़िफ़ है। परन्तु अब इस अमेरिकी संरक्षण के चलते इस्त्राईल ख़ासतौर से ग़ज़ा में जिसतरह मानवता की लगातार बर्बर हत्या करता जा रहा है उसे देखकर दुनिया के अधिकांश देश न केवल इस्त्राईल के ख़िलाफ़ होते जा रहे हैं बल्कि उन्हें इस्त्राईल को दिया जाने वाला अमेरिकी संरक्षण भी अब रास नहीं आ रहा है।

वास्तव में शांतिप्रिय मध्य एशिया में तबाही, बर्बादी व अशांति की इबारत लिखने वाला अमेरिकी संरक्षित इस्त्राईल ही है। 7 अक्टूबर 2023 को जब से दक्षिणी इस्त्राइल पर हमास द्वारा हमले किये गये और 251 लोगों को बंधक बनाया गया उसके बाद इस्त्राईली सेना (आईडीएफ़) ने हमास की आतंकी कार्रवाई के जवाब में जिस तरह ग़ज़ा पट्टी में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की और आज तक जारी है उसने इस्त्राईल व अमेरिका के अमानवीय चेहरे को पूरी तरह उजागर कर दिया है।

ग़ज़ा में बर्बरता और अत्याचार की हर सीमाओं को इस्त्राईल पार कर चुका है। रिहाइशी बश्तियों अस्पतालों स्कूलों शरणार्थी कैंपों धर्मस्थलों आदि को खंडहर बनाने के बाद अब भूखे निहत्थों को मार रहा है।

ख़बर है कि ग़ज़ा में ग़ज़ा ह्यूमनटेरियन फ़ाउंडेशन (जीएचएफ़) की ओर से बांटा जा रहा खाना बहुत कम लोगों तक पहुंचने के कारण वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है।

कई बार ऐसी अमानवीय घटना भी घटी कि जब जीएचएफ़ के भोजन वितरण केंद्र पर मदद लेने के लिए भूख से तड़पते बच्चे व महिलायें भोजन की ख़ातिर आकर लाइन में लगे उसी समय उन पर इसराइली सुरक्षा बलों ने गोलियां चला दीं जिससे दर्जनों लोग मरे गये।

कई बार इस्त्राईली सुरक्षा बलों द्वारा भूखे शरणार्थियों को खाना देने के लिये बुलाया गया, बाद में लाइन में खड़े होने के बाद उनपर गोलीबारी कर अनेक लोगों की हत्या कर दी गई। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार पिछले दो महीनों में भोजन हासिल करने की कोशिश कर रहे एक हज़ार से अधिक फ़लिश्तीनी, इस्त्राईली हमलों में मारे जा चुके हैं।

इनमें से कम से कम 766 लोगों की मौत उन चार वितरण केंद्रों के आसपास हुई है, जिन्हें जीएचएफ़ संचालित करता है। इसके अलावा 288 लोगों की मौत संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता केंद्रों के पास हुई है। सौ से अधिक सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि ग़ज़ा में बड़े पैमाने पर मानव जनित भुखमरी फैल रही है।

अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने इन हालात के लिए इस्त्राईल को ज़िम्मेदार ठहराया है क्योंकि वही फ़लिश्तीनी क्षेत्रों में भेजी जाने वाली सप्लाई को नियंत्रित करता है।

आम लोग ही नहीं बल्कि ग़ज़ा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं।

ग़ज़ा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाज़ी लगाकर लाइनों में लगकर चैरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ़ एक बार दाल, चावल या पाश्ता खा कर गुज़ारा करने को मजबूर हैं। कुछ पत्रकारों ने तो यहाँ तक बताया कि उन्होंने भूख दबाने के लिए नमक मिला पानी पीना शुरू कर दिया है।

ज़रा सोचिये जिन पत्रकारों की बदौलत दुनिया को इस्त्राईली सेना के ज़ुल्म और ग़ज़ा के लोगों की बेबसी व बर्बादी की ख़बर सुनाई व दिखाई देती थी अगर वही पत्रकार व उनका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा तो अमेरिकी संरक्षित इस्त्राईल के काले करतूत दुनिया तक कैसे पहुंचेंगे? इन्हीं हालात में अनेक अंतर्राष्ट्रीय राहत संगठन और मानवाधिकार समूह बड़े पैमाने पर भुखमरी फैलने की चेतावनी दे रहे हैं।

एक ओर तो इस्त्राईल-अमेरिका फ़िलिश्तीनियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले हमास को आतंकी संगठन बताकर उसकी आड़ में पूरे फ़िलिश्तीन पर नियंत्रण हासिल करने की फ़िराक़ में है तो दूसरी ओर यही इस्त्राईल-अमेरिकाअहमद हुसैन अल-शरा, जिसे अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है, को सीरिया में बशर अल असद का तख़्ता पलटकर उसे अंतरिम राष्ट्रपति बना देता है। यह वही जुलानी है जिसपर कुछ समय पहले तक अमेरिका ने दस मिलियन डॉलर का ईनाम घोषित कर रखा था। क्योंकि वह अलक़ायदा से जुड़ा था। 2017 में उसने अन्य कई आतंकी संगठनों के साथ मिलाकर हयात तहरीर अल-शाम एचटीएस नामक संगठन बना लिया था। अमेरिका ने एचटीएस को आतंकी लिस्ट में भी रखा था। अब अमेरिका ने उसके संगठन एचटीएस को आतंकी लिस्ट से भी हटा दिया है।

गोया जो व्यक्ति अमेरिका के हर विभाजनकारी इरादों में साथ रहे वह उसके लिए आतंकवादी नहीं और जो उसके और इज़रायल के ख़िलाफ़ हो या अपनी स्वतंत्र नीति रखता हो वह आतंकवादी घोषित हो जाता है चाहे वह ईरान जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र ही क्यों न हो?

बहरहाल, अमेरिका को सर्वशक्तिमान मानने वाले व अमेरिकी रहम ओ करम पर जीने वाले कुछ अमेरिकी पिट्ठू देशों की शासकों व तानाशाहों की बात छोड़ दें तो पूरा विश्व ख़ासकर मध्य एशियाई देश इस बात को समझ चुके हैं कि अब समय आ गया है कि किसी भी तरह इस्त्राईल को सबक़ सिखाया जाये और मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिकी हश्तक्षेप से मुक्ति दिलाई जाये।

ईरान का भय दिखाकर सुन्नी शिया मतभेदों को बढ़ावा देना दरअसल अमेरिका की सुन्नी देशों के प्रति हमदर्दी नहीं बल्कि एक बड़ी चाल है जिसे मुस्लिम जगत अब बख़ूबी समझ चुका है। मुस्लिम जगत जुलानी की आड़ में सीरिया को बर्बाद करने की साज़िश को भी समझ रहा है। परन्तु ख़बर यह भी है कि सीरियाई जनता भी अमेरिका इस्त्राईल के सीरिया के प्रति नापाक इरादों को भांप कर एकजुट होने लगी है।

मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिका से मुक्त कराने के शुरुआत संकेत मिलने लगे हैं। ईरान ने गत 23 जून को क़तर की राजधानी दोहा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर मिसाइलें दाग़ कर तथा इराक़ और सीरिया में भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना कर यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिकी सैन्य अड्डे मध्य एशियाई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं हैं।

साथ ही इराक़ी प्रतिरोध समूहों, विशेष रूप से कताइब हिज़्बुल्लाह, ने इराक़ी सरकार को यह चेतावनी जारी कर दी है कि वह अमेरिकी सेना को दो महीने के भीतर बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ऐन अल-असद बेस जैसे इराकी सैन्य ठिकानों, से पूरी तरह से हटने के लिए कहे। इराक़ी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को इस संबंध में पहले से सहमति के आधार पर कार्रवाई करने के लिए 'पर्याप्त समय' दिया गया था, और अब केवल दो महीने बचे हैं। यानी सितंबर 2025 के अंत तक अमेरिका को इराक़ छोड़ने की चेतावनी दे दी गयी है। इस चेतावनी में यह भी कहा गया है कि अगर यह कार्रवाई समय सीमा में पूरी नहीं हुई, तो उनकी 'अलग राय' होगी, हालांकि उन्होंने 'अलग राय' को स्पष्ट नहीं किया। इस तरह की अनेक छोटी बड़ी घटनाओं व अंतर्राष्ट्रीय श्तर पर हो रही गोलबंदी को देखते हुये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि मध्य एशिया अमेरिकी हश्तक्षेप से मुक्ति के प्रयास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

डिजिटल शिक्षा बनाम पारंपरिक शिक्षा : भारत के ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत की ग्रामीण आबादी लगभग 65% है और यह आँकड़ा न केवल जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि भारत के भविष्य की नींव भी है। 2020 के बाद जब कोरोना महामारी ने दुनिया को घरों में कैद कर दिया, तब भारत की शिक्षा व्यवस्था के सामने असाधारण चुनौती आ खड़ी हुई। एक ओर जहाँ महानगरों में डिजिटल तकनीक के सहारे पढ़ाई जारी रही, वहीं दूसरी ओर देश के लाखों गाँवों में स्कूलों के बंद होने से शिक्षा लगभग ठहर-सी गई। यह विरोधाभास ही आज के इस बहस का मूल है-क्या डिजिटल शिक्षा ग्रामीण भारत के लिए वरदान है या फिर पारंपरिक शिक्षा की उपेक्षा का एक नया रूप?

भारतीय ग्रामीण समाज में शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं होती-वह जीवन मूल्य, सामाजिक व्यवहार, परंपरा और व्यावहारिक समझ का भी आदान-प्रदान होती है। गाँवों की पाठशालाओं में जो गुरुकुल जैसी आत्मीयता थी, वह स्क्रीन के पार के शिक्षक में नहीं पाई जाती। फिर भी, डिजिटल शिक्षा ने कई संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। इंटरनेट के माध्यम से अब गाँवों के छात्र भी उन्हीं व्याख्याताओं की कक्षाएँ सुन पा रहे हैं, जो कभी केवल शहरी छात्रों के लिए आरक्षित माने जाते थे। लेकिन इस स्वर्णिम अवसर के बीच अनेक अंधेरे गलियारे भी हैं, जिनका सामना विशेष रूप से ग्रामीण भारत को करना पड़ रहा है।

पारंपरिक शिक्षा की आत्मा और ग्रामीण भारत की वाश्तविकता : गाँवों की पाठशालाओं में भले ही डिजिटल स्क्रीन न हों, पर वहाँ शिक्षक और छात्रों के बीच जो आत्मीय संवाद होता है, वह मनोवैज्ञानिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पारंपरिक शिक्षा में शिक्षक बच्चों की पारिवारिक, आर्थिक और मानसिक स्थितियों को जानते हैं, समझते हैं और उसी अनुरूप शिक्षा देने की कोशिश करते हैं। ये शिक्षक बच्चों के माता-पिता, ग्राम पंचायत और समुदाय के साथ मिलकर एक ऐसी शैक्षिक संस्कृति गढ़ते हैं, जो न केवल पुश्तकीय ज्ञान देती है, बल्कि लोकजीवन की समझ भी विकसित करती है।

पारंपरिक शिक्षा में 'गुरु-शिष्य परंपरा' का स्वरूप भले बदल गया हो, लेकिन उसका मूल भाव अब भी गाँवों में जीवित है। वहाँ शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला नहीं होता, बल्कि वह सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने वाला मार्गदर्शक भी होता है। गाँवों में आज भी छात्रों के स्कूल न आने पर शिक्षक उनके घर जाकर पूछते हैं, परिवारों से संवाद करते हैं। यह समर्पण डिजिटल शिक्षा में संभव नहीं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण भारत में स्कूल शिक्षा केवल औपचारिक ज्ञान का साधन नहीं, बल्कि बच्चों के सामाजिकरण का भी केंद्र है। बच्चे स्कूल में साथ बैठकर खाना खाते हैं, खेलते हैं, संस्कार सीखते हैं-ये सब मिलकर उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाते हैं। क्या डिजिटल शिक्षा इस समग्र विकास का विकल्प बन सकती है?

डिजिटल शिक्षा की क्रांति : वर्चुअल क्लास से गाँव की क्लास तक : बिना किसी संदेह के, डिजिटल शिक्षा ने शिक्षा की पहुँच को अभूतपूर्व रूप से विश्तारित किया है। वर्ष 2021 में भारत में 1.2 बिलियन मोबाइल कनेक्शन और लगभग 850 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता थे-जिनमें बड़ी संख्या ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी हुई है। भारत सरकार की "डिजिटल इंडिया", "ई-विद्या", "स्वयं", "दीक्षा" जैसी पहलें ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा को सुलभ और सश्ता बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं। आज अनेक ग्रामीण छात्र यूट्यूब, बायजूस, खान अकादमी और अनएकेडमी जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से आईआईटी, नीट, यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं-और सफल भी हो रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल शिक्षा में अवसर हैं, गति है, नवाचार है। एक क्लिक पर पाठ्यपुश्तकें, वीडियो व्याख्यान, क्विज़, ई-लर्निंग एप्लिकेशन-सब उपलब्ध हैं।

लेकिन इस चमकती हुई तस्वीर के पीछे एक कठोर सच्चाई भी है-ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा के लिए जो आधारभूत ढांचा चाहिए, वह अभी भी अधूरा है। बिजली की अनियमितता, इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या, स्मार्टफोन या टैबलेट की अनुपलब्धता जैसे कई अवरोध हैं। इसके अलावा, डिजिटल साक्षरता की कमी और माता-पिता की तकनीकी जानकारी का अभाव भी डिजिटल शिक्षा को सीमित कर देता है।

अंतर की खाई : जो आगे बढ़े और जो पीछे छूटे : शहरी और ग्रामीण भारत के बीच पहले से ही शैक्षिक असमानता मौजूद थी, पर डिजिटल शिक्षा ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है। जहाँ शहरों में बच्चों के पास हाई-स्पीड इंटरनेट, लैपटॉप, वर्चुअल ट्यूटर और अभिभावकों का सहयोग है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को कई किलोमीटर दूर तक नेटवर्क ढूँढ़ने जाना पड़ता है, मोबाइल साझा करना पड़ता है या शिक्षा को पूरी तरह छोड़ देना पड़ता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 60% छात्र डिजिटल शिक्षा तक नियमित पहुँच नहीं बना पा रहे हैं। यह आँकड़ा सिर्फ तकनीकी कमी को ही नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को भी उजागर करता है। बहुत से परिवारों के पास एक ही मोबाइल होता है, जिसे माँ-बाप अपने काम के लिए उपयोग करते हैं और बच्चा केवल सीमित समय में पढ़ाई कर पाता है। इसके विपरीत, पारंपरिक शिक्षा में स्कूल जाना, शिक्षकों से मिलना, कक्षा में बैठकर पढ़ना-ये सभी गतिविधियाँ सीखने की निरंतरता बनाए रखती हैं। डिजिटल शिक्षा में यह निरंतरता तब टूट जाती है जब बिजली न हो, मोबाइल चार्ज न हो या नेटवर्क डाउन हो। ऐसे में एक बड़े वर्ग के लिए यह शिक्षा अधूरी, अपूर्ण और असंगत साबित होती है।

समाधान की तलाश : संतुलन और समावेशिता की ओर : आज भारत को आवश्यकता है एक ऐसे समग्र, संतुलित और समावेशी शैक्षिक दृष्टिकोण की जो न केवल तकनीकी विकास को अपनाए, बल्कि ग्रामीण समाज की सांस्कृतिक और व्यावहारिक वाश्तविकताओं को भी सम्मान दे। डिजिटल शिक्षा को ग्रामीण भारत में सफलतापूर्वक लागू करने के लिए सबसे पहला कदम अवसंरचना को सुदृढ़ करना है। जब तक प्रत्येक गाँव में सुचारु बिजली आपूर्ति, हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी, सश्ते और टिकाऊ डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक डिजिटल शिक्षा केवल एक 'नगरीय कल्पना' बनी रहेगी। ग्रामीण छात्रों के लिए टैबलेट या स्मार्टफोन खरीदना एक बड़ी आर्थिक चुनौती है; इसलिए सरकार को चाहिए कि वह ज़रूरतमंद छात्रों को शैक्षिक उपकरणों की अनुदान-आधारित व्यवस्था दे-जैसे मध्याह्न भोजन योजना की तरह एक "डिजिटल लर्निंग पैकेज" प्रदान करना।

इसके अतिरिक्त, केवल उपकरण देना पर्याप्त नहीं है। डिजिटल साक्षरता-यानी तकनीक का उपयोग करने का प्रशिक्षण-भी उतना ही ज़रूरी है। माता-पिता, शिक्षक और विद्यार्थी-तीनों के लिए डिजिटलीकरण को अपनाना आसान नहीं होता, विशेषकर जब तकनीक उनके जीवन में एकदम नई हो। इस चुनौती का समाधान स्थानीय श्तर पर 'डिजिटल शिक्षा सहायकों' की नियुक्ति हो सकता है, जो ग्रामीण विद्यालयों और समुदायों में जाकर लोगों को तकनीक के व्यावहारिक प्रयोग सिखाएं। ग्राम पंचायतों और महिला स्व-सहायता समूहों को भी इसमें जोड़ा जा सकता है ताकि डिजिटल साक्षरता एक सामाजिक अभियान बन जाए, न कि केवल सरकारी घोषणा।

नीति-निर्माण में ग्रामीण दृष्टिकोण की अनिवार्यता : भारत में शिक्षा नीति अकसर शहरी संदर्भों में निर्मित होती है और बाद में उसे पूरे देश में लागू कर दिया जाता है, जबकि ग्रामीण भारत की अपनी विशिष्ट आवश्यकताएँ हैं। नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने की बात तो की गई है, पर इसकी व्यावहारिक सफलता ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में तब तक नहीं आ सकती जब तक नीति निर्माण के दौरान ग्राम्य समाज, स्थानीय स्कूल व्यवस्थाएं, क्षेत्रीय भाषाएँ और सांस्कृतिक मान्यताएं सम्मिलित न हों। एकरूपता की बजाय विविधता को स्वीकार करना इस दिशा में एक निर्णायक कदम होगा।

सरकार को चाहिए कि वह शिक्षा योजनाओं को 'डिजिटल + स्थानीय' मॉडल के रूप में लागू करे, जिसमें शैक्षिक ऐप्स और वीडियो स्थानीय भाषाओं में हों, क्षेत्रीय संदर्भों पर आधारित सामग्री हो और शिक्षकों को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ स्थानीय सामाजिक स्थिति को समझने का निर्देश भी मिले। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएं जो उन्हें हाइब्रिड शिक्षण पद्धति अपनाने में सक्षम बनाएं-जहाँ वे आवश्यकता अनुसार कभी डिजिटल माध्यम से तो कभी पारंपरिक पद्धति से पढ़ा सकें। मिश्रित (हाइब्रिड) मॉडल : भविष्य की दिशा : वाश्तविकता यह है कि न तो डिजिटल शिक्षा पूरी तरह पारंपरिक शिक्षा का विकल्प बन सकती है और न ही पारंपरिक शिक्षा अकेले आज की जटिल आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है। समाधान मिश्रित मॉडल में है, जिसमें डिजिटल संसाधनों का उपयोग पारंपरिक कक्षा शिक्षण के पूरक के रूप में किया जाए। उदाहरण के लिए, गाँवों के प्राथमिक स्कूलों में यदि सप्ताह में दो दिन ऑनलाइन वीडियो व्याख्यान चलाए जाएं और शेष दिन सीधे शिक्षक शिक्षण करें, तो छात्रों को दोनों तरीकों का लाभ मिल सकता है।

इस मिश्रित मॉडल का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि शिक्षक तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके अपनी शिक्षण शैली को समृद्ध बना सकेंगे और साथ ही बच्चों की भावनात्मक व सामाजिक आवश्यकताओं को भी संबोधित कर पाएंगे। डिजिटल कंटेंट से विद्यार्थी रोचक तरीके से विषयों को समझ सकेंगे और पारंपरिक कक्षा में वे उन विषयों पर शिक्षक से चर्चा कर सकेंगे। यह मॉडल विशेष रूप से ग्रामीण भारत में प्रभावी हो सकता है, जहाँ संसाधनों की कमी को तकनीक के माध्यम से पूरा किया जा सकता है, पर सामाजिक बंधन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की आवश्यकता अब भी अत्यधिक है। सामाजिक चेतना और समुदाय की भूमिका : डिजिटल शिक्षा की सफलता केवल सरकारों या स्कूलों की जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए।

समाज की सामूहिक भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। गाँवों में डिजिटल शिक्षा को जनांदोलन बनाने के लिए स्थानीय स्वयंसेवी संगठन, किसान समूह, युवा मंडल और महिला मंडल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि प्रत्येक गाँव में एक 'शैक्षिक केंद्र' स्थापित किया जाए, जहाँ बच्चे शाम को आकर इंटरनेट का उपयोग कर सकें, वीडियो व्याख्यान देख सकें और अपने संदेहों को सुलझा सकें-तो यह एक बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

इसके साथ ही, हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि शिक्षा का अंतिम उद्देश्य केवल नौकरी पाने लायक बनाना नहीं है, बल्कि एक समझदार, नैतिक और संवेदनशील नागरिक बनाना है। यह उद्देश्य तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक शिक्षा केवल एकपक्षीय डिजिटल उपभोग बनी रहे। ग्रामीण समाज में शिक्षा तब ही सार्थक होगी जब उसमें सामूहिकता, संवाद, व्यावहारिक ज्ञान और स्थानीय मूल्य भी सम्मिलित होंगे। डिजिटल शिक्षा इन मूल्यों को जोड़ने के लिए तभी सक्षम हो पाएगी जब वह 'आत्मा के साथ तकनीक' को अपनाए। भारत जैसे देश में, जहाँ परंपरा और नवाचार दोनों साथ-साथ चलते हैं, वहाँ डिजिटल और पारंपरिक शिक्षा के बीच टकराव नहीं, बल्कि सहयोग की आवश्यकता है। ग्रामीण भारत की शिक्षा को इस तरह ढालना होगा कि वह तकनीकी बदलावों से वंचित न रहे और साथ ही अपनी ज़मीन, अपनी भाषा, अपनी संस्कृति से भी न कटे। तकनीक को शिक्षक का विकल्प नहीं, सहयोगी बनाना होगा।

'चुनाव में स्टाफ जाता है, परीक्षा में छात्र क्यों? रोज़गार की दौड़ में रास्ते ही कठिन क्यों?'

डॉ. सत्यवान सौरभ

परीक्षा देना किसी भी युवा के जीवन का सबसे संवेदनशील और निर्णायक समय होता है। यह वह क्षण होता है जब वर्षों की मेहनत और सपनों को हकीकत में बदलने का राश्ता खुलता है। लेकिन अगर परीक्षा केंद्र तक पहुँचने की राह ही संघर्षपूर्ण हो जाए, तो उस परीक्षा की निष्पक्षता और प्रशासनिक तैयारी पर सवाल उठना लाज़मी है।

हरियाणा में आयोजित की गई सीईटी (कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा में यही हुआ-जब राज्य भर के 15 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को अपने घरों से 100 से 150 किलोमीटर दूर तक परीक्षा देने भेजा गया। और वह भी तब जब वे अपने ही जिले या शहर में परीक्षा देने की सुविधा की आशा रखते थे। हरियाणा सरकार और एचएससीसी (हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग) ने यह परीक्षा 'सुचारु और पारदर्शी' तरीके से आयोजित करने का दावा किया।

लेकिन उस पारदर्शिता की कीमत किसने चुकाई? छात्र। जो हरियाणा के कोने-कोने से, कभी रोडवेज़ बसों में खचाखच भरे माहौल में, तो कभी निजी वाहनों में अपनी जेब खाली करते हुए परीक्षा केंद्रों तक पहुँचे। अनेक लड़कियों ने रात भर सफर करके सुबह 10 बजे की परीक्षा दी, कई ग्रामीण युवाओं ने अपने जीवन में पहली बार शहरों की तरफ अकेले कूच किया, और कुछ लोग परीक्षा केंद्र पर पहुँच ही नहीं सके। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या प्रशासन को यह एहसास नहीं कि परीक्षा केवल एक पेपर नहीं होती, वह अभ्यर्थी के पूरे जीवन की उम्मीद होती है?

हरियाणा में हर पांच साल में चुनाव होते हैं। उसमें भी बूथ ड्यूटी, पोलिंग स्टेशन की निगरानी, ईवीएम की सुरक्षा-ये सब होता है। क्या उसमें कर्मचारियों को एक जिले से दूसरे जिले तक नहीं भेजा जाता? क्या कभी किसी मतदाता को 100 किलोमीटर दूर वोट डालने भेजा गया है? नहीं।

तो फिर परीक्षा में यह असंवेदनशीलता क्यों? क्या युवा वर्ग प्रशासन की प्राथमिकता में नहीं आता? क्या सरकार मानती है कि एक बेरोज़गार युवक की यात्रा, उसका समय, उसकी जेब का खर्च, उसकी परीक्षा की तैयारी-इन सबका कोई मूल्य नहीं है? जिन युवाओं के पास किराया देने तक के पैसे नहीं थे, उन्हें परिजनों से उधार लेना पड़ा। किसी ने खेत गिरवी रखे, तो किसी ने अपनी मां की जमा पूंजी निकाली।

लड़कियों और विकलांग उम्मीदवारों को न सिर्फ यात्रा की परेशानी हुई बल्कि उनके लिए रुकने, भोजन और सुरक्षा की चिंताएं और भी ज़्यादा थीं। लंबी यात्रा के बाद कोई भी मानसिक रूप से शांत नहीं रह सकता।

परीक्षा में प्रदर्शन सीधे रूप से इस बात पर निर्भर करता है कि छात्र मानसिक रूप से कैसा महसूस कर रहा है। जिन छात्रों का केंद्र 150 किमी दूर था, उन्हें परीक्षा से एक दिन पहले ही निकलना पड़ा। इसका सीधा असर नींद, भोजन और पढ़ाई की निरंतरता पर पड़ा।

जब छात्र एडमिट कार्ड डाउनलोड करते हैं, तब उनसे परीक्षा केंद्र का प्राथमिक शहर चुनने का विकल्प दिया जा सकता था, जैसा कई राष्ट्रीय परीक्षाओं में होता है। हर जिले में कम से कम 5-10 सरकारी या निजी संस्थान तो हैं ही, जहां परीक्षा आयोजित हो सकती थी। जैसे चुनाव में कर्मचारी अन्य जिलों में ड्यूटी करते हैं, वैसे ही शिक्षक, पर्यवेक्षक और अन्य स्टाफ को दूर भेजा जा सकता था। छात्र अपने ही ज़िले में परीक्षा देते।

ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या यह एक सोची-समझी योजना थी या व्यवस्थागत असफलता? क्या प्रशासन को छात्रों के संघर्ष की कोई चिंता नहीं? क्या यह बेरोज़गार युवाओं की परीक्षा लेने के नाम पर उनका मनोबल तोड़ने की प्रक्रिया नहीं है? क्या एचएससीसी खुद को जवाबदेह मानती है या सिर्फ नोटिस निकाल देना पर्याप्त है?

हरियाणा के नेताओं ने इस विषय पर कोई विशेष संवेदनशीलता नहीं दिखाई। जबकि यही छात्र आने वाले समय में वोटर भी हैं और परिवर्तन के वाहक भी। राजनीतिक दलों को चाहिए था कि इस मुद्दे पर खुलकर सरकार से सवाल पूछते। लेकिन अफसोस, बेरोज़गारी का मुद्दा अब शोर में दबा दिया गया है, और रोजगार की परीक्षा अब छात्रों के सहनशीलता की परीक्षा बन गई है।

हरियाणा सीईटी परीक्षा के दौरान ऐसी कई घटनाएं सामने आईं जो ना सिर्फ दुःखद थीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही की पोल भी खोल गईं। जींद में एक छात्र का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया, जब वह मोटरसाइकिल से परीक्षा केंद्र जा रहा था। भिवानी में एक महिला अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में मौत हो गई, वजह-थकावट, गर्मी और तनाव।

रोहतक में बस में सफर के दौरान एक छात्र को हार्ट अटैक आया और उसकी मृत्यु हो गई। परिवार का कहना था कि वह पिछली रात से बिना सोए निकला था और खाना भी नहीं खाया था। कैथल-करनाल हाईवे पर ट्रक से टकराई बाइक पर सवार दो अभ्यर्थियों की मौके पर मौत हो गई।

सिरसा में दो सगे भाई परीक्षा देने जाते हुए दुर्घटना का शिकार हुए और जान चली गई। रेवाड़ी में परीक्षार्थियों से भरी एक कार पलटी, जिसमें कई छात्र घायल हो गए।

इन खबरों ने साबित कर दिया कि परीक्षा केंद्रों की गलत प्लानिंग सिर्फ असुविधा नहीं, जीवन की कीमत पर खड़ी की गई प्रशासनिक गलती थी। 100-150 किमी की लंबी यात्रा, वो भी सुबह 10 बजे की परीक्षा के लिए, छात्रों को रात में ही निकलना पड़ता है। थकावट और तनाव, जो सीधे हार्ट अटैक या दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है।

रहने-खाने की कोई व्यवस्था नहीं, कोई छात्र स्टेशन पर सोया, कोई बस स्टैंड पर, और कोई खुले में इंतज़ार करता रहा। सड़क सुरक्षा की घोर अनदेखी-इतने बड़े परीक्षा आयोजन के दौरान कोई ट्रैफिक प्लान या मेडिकल बैकअप नहीं।

सरकार और प्रशासनिक अधिकारी अगर इन मौतों पर संवेदना व्यक्त कर भी दें, तो सवाल यह है-क्या ये मौतें रोकी नहीं जा सकती थीं? क्या एक बेहतर परीक्षा केंद्र प्रणाली, ज़िलावार आयोजन, और परिवहन की व्यवस्था इन जिंदगियों को बचा नहीं सकती थी? सपनों के पीछे भागते हुए छात्र नहीं मरे, मरा है सिस्टम-जो संवेदनहीन होकर देखता रहा। अब सवाल उठता है-क्या एचएससीसी इन मौतों पर जवाबदेह ठहराया जाएगा? क्या परीक्षा केंद्र निर्धारण के मानदंडों की समीक्षा होगी? क्या आने वाली परीक्षाओं में कोई सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे? अगर नहीं, तो ये मौतें महज़ आंकड़े बन जाएंगी, और हर अगली परीक्षा में फिर कोई नया अभ्यर्थी... नौकरी की उम्मीद में जान गंवाता रहेगा। परीक्षा केंद्र निर्धारण में "होम डिस्टिक्ट प्रेफरेंस" लागू किया जाना चाहिए। परीक्षा व्यवस्था में शिक्षा विभाग के अनुभवी अधिकारियों को जोड़ा जाए। सीटिंग प्लान और स्टाफ तैनाती का मॉडल चुनाव आयोग से सीखा जाए।

हर जिले में स्थायी "एग्जाम सेंटर इनफ्रास्ट्रक्चर" विकसित किया जाए। परीक्षार्थियों से फीडबैक और सुझाव अनिवार्य रूप से लिए जाएं। ट्रैफिक, मेडिकल और सुरक्षा योजना हर बड़े परीक्षा आयोजन से पहले बनाई जाए। यह सुखद है कि हरियाणा के कई कोनों से अभ्यर्थियों ने सोशल मीडिया, धरनों और याचिकाओं के माध्यम से इस विस्थापन मॉडल का विरोध किया है। अब यह जरूरी है कि यह विरोध संगठनात्मक रूप ले और सरकार तक आवाज़ पहुंचे कि-हम परीक्षा देने को तैयार हैं, लेकिन अपने आत्मसम्मान को गिरवी नहीं रखेंगे। सरकार को यह याद रखना होगा कि बेरोज़गार युवा सिर्फ नौकरी के लिए आवेदन नहीं करते, वे देश के भविष्य की बुनियाद रख रहे होते हैं। अगर हम उन्हें ही यूँ दर-दर भटकाकर थका देंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ किस व्यवस्था पर भरोसा करेंगी?

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेलः** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल टार्च की रोशनी में इलाज, मरीजों को लगाए टांके

सीतापुर , एजेंसी। जिला अस्पताल में शनिवार को करीब एक घंटे तक बिजली सप्लाई बाधित रही। इस दौरान अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को काफी परेशानी उठाना पड़ी। बत्ती न होने के कारण ओपीडी कक्ष में छाए अंधेरे के बीच चिकित्सकों ने मोबाइल फोन की टार्च जलाकर उसकी रोशनी में मरीजों का परीक्षण कर परचे पर दवा लिखी। इमरजेंसी में भी मोबाइल टार्च की रोशनी में मरीज को टांके लगाने पड़े।

अंधेरे के कारण दवा वितरण काउंटरों पर भी लोगों को खूब परेशानी उठाना पड़ी। जिला अस्पताल में इमरजेंसी सेवाओं के लिए लगा जनरेटर भी शनिवार को मौके पर दगा दे गया। अस्पताल की ओपीडी से लेकर पैथालॉजी तक में सुबह 11 बजे जब मरीजों की भीड़ जुटी थी, उसी दौरान अचानक बिजली गुल हो गई। इससे हर तरफ अंधेरा पसर गया।

सबसे अधिक दिक्कत वार्ड में भर्ती मरीजों को उठाना पड़ी। राहत के लिए कई मरीज वार्ड से बाहर निकल कर टहलते व पेड़ की छांव के नीचे बैठकर गर्मी से राहत लेते दिखे। सबसे ज्यादा परेशानी इमरजेंसी कक्ष में आए मरीज व चिकित्सकों को हुई। उन्हें मोबाइल टार्च की रोशनी में मरीजों को टांगे लगवाने पड़े। सीएमएस डॉ. इंदर सिंह ने बताया कि सप्लाई लाइन में आई फाल्ट के कारण बाधित हुई बिजली के कारण लोगों को परेशानी उठाना पड़ी।

बंद रेलवे क्रासिंग से परीक्षा छूटते देख छात्रा ने लगाई दौड़, एसओ ने सरकारी वाहन से पहुंचाया केंद्र

उन्नाव, एजेंसी। उन्नाव जिले के सफीपुर में लखनऊ निवासी मुरारी सिंह अपनी बेटी इशिका को आरओ-एआरओ परीक्षा दिलाने ओला बुक करके गूगल के सहारे हसनगंज पहुंच गए। वहां से परीक्षा केंद्र सफीपुर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज होने की जानकारी हुई, तो आनन फानन गाड़ी उधर मोड़ दी। यहां पहुंचे तो रेलवे क्रासिंग बंद मिली।

परीक्षा शुरू होने में मात्र दो से तीन मिनट का समय देख और क्रासिंग से केंद्र की दूरी 500 मीटर होने की जानकारी मिलते ही छात्रा ने गाड़ी से उतरकर दौड़ना शुरू कर दिया। इसी दौरान केंद्र भ्रमण कर वापस लौट रहे क्रासिंग की दूसरी तरफ खड़े सफीपुर थाना प्रभारी एसएन त्रिपाठी ने छात्रा को दौड़ते देखा, तो तुरंत अपनी सरकारी गाड़ी मोड़ी और उसे केंद्र पहुंचाया और अंदर प्रवेश भी कराया। इस पर पिता ने राहत की सांस ली।

समाधान दिवस में 47 मामलों में से छह का हुआ निस्तारण

जौनपुर, एजेंसी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान 47 शिकायतों में से छह का निस्तारण किया गया। तेजीबाजार : थानाध्यक्ष सत्येंद्र भाई पटेल की अध्यक्षता में थाना पर सात प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए लेकिन एक का भी मौके पर निस्तारण नहीं हुआ। बदलापुर : कोतवाली परिसर में अपराध निरीक्षक मुन्नाराम घुसिया की अध्यक्षता में कुल 11 जरूरतमंदों ने प्रार्थना पत्र दिया जिसमें मौके पर एक का निस्तारण किया गया। मड़ियाहूं : कोतवाली परिसर में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह की अध्यक्षता में पांच प्रार्थना पत्रों में से एक का भी निस्तारण नहीं हुआ। शाहगंज : नायब तहसीलदार पीयूष सिंह की अध्यक्षता में आठ प्रार्थना पत्र में से एक का निस्तारण हुआ। सुजानगंज : सुजानगंज थाना परिसर में तहसीलदार रवि रंजन कश्यप, नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव की उपस्थिति में 16 प्रार्थना पत्र में चार का निपटारा हुआ।

आरोप, एडवांस रुपये लेने के बाद काम छोड़कर भागा ठेकेदार

उन्नाव, एजेंसी। निर्माणाधीन गंगाएक्सप्रेसवे में कार्यदायी संस्था के साथ जुड़े ठेकेदार ने एडवांस में 17 लाख से अधिक रुपये लेने के बाद काम छोड़कर भाग गया। निर्माण एजेंसी के कर्मचारी ने ठेकेदार पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। अमेठी जिले के अग्रेसर त्रिसुंडी निवासी रणबहादुर सिंह ने थाने में तहरीर दी है कि वह वर्तमान समय में पटेल इन्फ्रास्टक्चर लिमिटेड कंपनी में सहायक संपर्क के पद पर कार्यरत है। कंपनी का कार्यालय कार्यालय रानीपुर ग्रंट गांव में बना है।

प्रदेशभर में आरओ-एआरओ की परीक्षा संपन्न

2382 केंद्रों में सिर्फ एक पाली में कराया गया एग्जाम

लखनऊ , एजेंसी। यूपी के सभी जिलों में रविवार को आरओ-एआरओ परीक्षा एक साथ आयोजित की गई। यह पहली बार है कि यह परीक्षा सिर्फ एक पाली में कराई गई। हर परीक्षा केंद्र में केंद्र व्यवस्थापक के अलावा दो मजिस्ट्रेट तैनात किए गए। परीक्षा सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक चली। इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों में 2382 केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे परीक्षार्थी: इससे पहले परीक्षार्थी तय समय पर परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। 9.30 बजे की परीक्षा के लिए गेट से एंट्री 8.30 बजे से शुरू की गई। सभी केंद्रों पर फेस रिकग्नीशन, बायोमेट्रिक सत्यापन और कड़ी तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया।

अमेठी में 5376 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा: उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा रविवार सुबह से जिले के 13 केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई है। एक पाली में हो रही इस परीक्षा के लिए अभ्यर्थी सुबह 8 बजे से ही केंद्रों पर जुटने लगे। सभी केंद्रों पर फेस रिकग्नीशन, बायोमेट्रिक सत्यापन और कड़ी तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है।

जिले भर के 13 परीक्षा केंद्रों पर 5376 अभ्यर्थियों की बैठने की व्यवस्था की गई है। केंद्रों के बाहर महिला और पुरुष कांस्टेबलों की अलग-अलग टीमें तैनात हैं। परीक्षार्थियों के सामान के लिए काउंटर बनाए गए हैं और फोटोस्टेट की दुकानें बंद रखी गई हैं। प्रवेश से पहले सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में गहन तलाशी ली जा रही है।

डीआईओएस डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि सभी केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, प्रशिक्षित कक्ष निरीक्षक, पुलिस बल और मोबाइल सचल दल की तैनाती की गई है। हर गतिविधि पर जिला मुख्यालय स्थित मॉनिटरिंग सेल से लाइव नजर रखी जा रही है।

परीक्षार्थी भी पूरी सजगता के साथ केंद्रों पर पहुंचे। लाइन में लगे अभ्यर्थी हाथ में प्रवेश पत्र और आईडी लेकर शांतिपूर्वक प्रवेश की प्रक्रिया से गुजरते रहे। कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल या ब्लूटुथ आदि केंद्र में नहीं ले जाने दिया जा रहा है।

बाराबंकी के 23 केंद्रो में हो रही है परीक्षा प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आरओ-एआरओ (समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी) परीक्षा रविवार को जिले के 23 परीक्षा केंद्रों पर सकुशल प्रारंभ हुई। परीक्षा केंद्रों पर सुबह 8:00 बजे से परीक्षार्थियों का प्रवेश प्रारंभ हुआ, जिसमें बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट जांच के बाद ही उन्हें अंदर प्रवेश दिया गया।

शहर स्थित जीआईसी, जीजीआईसी समेत कुल 23 केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दो-दो मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात है, परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और सभी केंद्रों पर निगरानी रखी जा रही है।

लखनऊ के 129 केंद्रों पर हुई परीक्षा: उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) परीक्षा 2023 रविवार को आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 12:30 बजे तक चलेगी। इससे पूर्व डीएम विशाख जी एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों और चारबाग रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। बता दें कि 129 केंद्रों पर 61,512 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारी बप्पा श्री नारायण वोकेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज, एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज और एमजी कॉन्वेंट स्कूल पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक केंद्र पर करीब 480 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। डीएम ने केंद्रों पर स्थापित कंट्रोल रूम और सीसीटीवी कैमरों की जांच की और निगरानी एवं रिकॉर्डिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सुल्तानपुर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई आरओ-एआरओ परीक्षा

जिले में रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरओ-एआरओ (समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी) परीक्षा का आयोजन शुरू हुआ। सुबह 9 बजे से पहले ही 34 परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें लग गईं। अभ्यर्थी समय से पहले पहुंचकर अपनी बायोमेट्रिक जांच और सत्यापन प्रक्रिया में लगे रहे। परीक्षा में 15384 अभ्यर्थी हिस्सा ले रहे हैं। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। प्रत्येक केंद्र पर पुलिसकर्मी, महिला पुलिस, टीचिंग स्टाफ व मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। गेट पर प्रवेश से पहले छात्रों की गहन तलाशी ली गई। किसी को भी केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू रही। डीएम कुमार हर्ष व एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने कई केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षा कराई जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है। जिला प्रशासन की निगरानी में आरओ-एआरओ परीक्षा को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की कोशिश की जा रही है।

डीएम ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु मोबाइल टॉयलेट, हेल्पडेस्क और भीड़ नियंत्रण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि स्टेशन और बस अड्डों पर ट्रेनों की समय सारणी, परीक्षा केंद्रों की जानकारी और रैन बसेरों की लोकेशन स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाए। एआरएम रोडवेज को निर्देशित किया गया कि पीए सिस्टम के माध्यम से बसों की रूटवार जानकारी का नियमित अनाउंसमेंट कराया जाए। रैन बसेरों और शेल्टर होम का भी निरीक्षण किया। परीक्षा की तैयारियों के मद्देनजर मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने आयुक्त सभाकक्ष में डीएम, संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार समेत केंद्र व्यवस्थापकों व नोडल अफसरों संग बैठक की। उन्होंने कहा कि बस व रेलवे स्टेशनों पर हेल्प डेस्क बनाते हुए मेडिकल व एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, हत्या या आत्महत्या में उलझी पुलिस-परिजनों का ये आरोप

बस्ती , एजेंसी। हर्रैया थाना क्षेत्र लबदहा गांव की एक 25 वर्षीय नवविवाहिता महिला की रविवार को सुबह सात बजे संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। वहीं, सूचना पर पहुंची हर्रैया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन करने में जुट गई। फारेसिक टीम ने भी मौके पर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस महिला की हत्या व आत्महत्या को लेकर खुद ही उलझ गई है। हर्रैया थाना क्षेत्र के लबदहा गांव नवविवाहिता महिला नेहा पत्नी दीप चंद्र गुप्ता (25) वर्ष शनिवार की रात में पति पत्नी में आपसी विवाद हो गया। रात में ही महिला ने अपने पिता राम अवतार से विवाद की बात सुनाई, जिसपर पिता ने बेटी से सुबह घर आने का आश्वासन दिया था।

रविवार को सुबह महिला की घर पर संदिग्ध परिस्थितियों मौत हो गई। घटना सुन वहां ग्रामीणों की भारी भीड़ जुड़ गई। सूचना पर पहुंचे हर्रैया प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह पुलिस टीम के साथ घटना की छानबीन में जुट गए। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पूरे मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

मृतिका की मौत की सूचना पर मायके (महुआ लखनपुर) वाले भी भारी संख्या में मौके पर पहुंच गए। मृतिका के ससुरालियों का कहना है कि नेहा ने छत की कुंडी में साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। जबकि मायके वालों ने उसकी लड़की को दहेज उत्पीड़न साथ हत्या करने का आरोप लगाया है, जिससे पुलिस हत्या व आत्महत्या को लेकर खुद उलझ गई है।

वहीं, गांव में मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। महिला कि बीते वर्ष नवंबर को शादी हुई थी। पुलिस ने महिला पति व सास को हिरासत में ले लिया है। सीओ संजय सिंह ने घटनास्थल पहुंचे। घटना जानकारी लिया।

पिता ने रुपये नहीं भेजे तो..., धर्मांतरण का घिनौना खेल

ऐसे उठाया मजबूरी का फायदा; युवतियों का दर्द

आगरा, एजेंसी। 16 से 25 साल की उम्र, आर्थिक रूप से कमजोरी, परिवार का साथ न मिलना और नौकरी की जरूरत...। अवैध कराने वाले गिरोह के निशाने पर जरूरतमंद से लेकर परेशान, उच्च शिक्षित से लेकर मजदूर वर्ग तक के लोग थे। उन्हें कहीं न कहीं मदद का भरोसा देकर जाल में फंसा लिया जाता था। फिर हिंदू धर्म के बारे में भड़काया जाता था।

पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि गिरोह में छह लोग ऐसे हैं, जिन्होंने पूर्व में अपना धर्म परिवर्तन किया था। इसके बाद वह अन्य लोगों का भी धर्म परिवर्तन करा रहे थे। मुक्त कराई सात युवतियों से पुलिस ने पूछताछ की। एक युवती ऐसी थी, जिसने बताया कि वो पढ़ाई करने घर से बाहर गई थी। एग्जाम पास करने के बाद प्रवेश तो मिल गया, मगर अन्य खर्चों के लिए उसे रुपयों की जरूरत थी।

पिता के पास दो बीघा ही जमीन थी। इससे घर का खर्च मुश्किल से चल पाता था। बेटी की पढ़ाई के लिए वह पैसा नहीं भेज पा रहे थे। एक महीने के बाद उन्होंने खर्च के लिए रकम भेजना बंद कर दिया। इससे युवती को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। तभी वह गिरोह के संपर्क में आ गई। उसे मदद दी जाने लगी। इससे उसे उनके धर्म में विश्वास होने लगा। वह जाल में फंस गई। इसी तरह बरेली और देहरादून की युवतियां भी गिरोह के संपर्क में आई थीं।

इस तरह से ही गिरोह के निशाने पर कम उम्र के युवक-युवतियां रहते थे। जिनकी कोई न कोई मजबूरी होती। गिरोह के सक्रिय सदस्य इन लोगों को अपनी बातों में फंसा लेते। ग्रुपों में जोड़कर मुस्लिम धर्म का प्रचार करते। कश्मीर भी ले जाते। मजदूरी और सफाई कार्य से जुड़े लोग जल्दी उनकी बातों में आ जाते हैं। पैसा मिलने की वजह से आसानी से धर्म परिवर्तन कर लेते हैं। 16 साल की उम्र में जिन लोगों को फंसाया जाता है, उनके बालिग होने का इंतजार किया जाता है। इसके बाद ही घर छोड़ने के लिए बोला जाता है। इस बात की भनक उनके परिजन को भी नहीं लगने दी जाती, जिससे एक बार कोई घर छोड़ आए तो वापस नहीं जा सके। उनके परिजन उनको ढूंढ भी न सकें।

अब तक 14 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आयशा उर्फ एस.बी. कृष्णा (गोवा), शेखर रॉय उर्फ अली हसन (कोलकाता), ओसामा (कोलकाता), रहमान कुरैशी (आगरा), अब्बू तालीब (खालापार, मुजफ्फरनगर), अबुर रहमान (देहरादून), रित बानिक उर्फ इब्राहिम (कोलकाता), जुनैद कुरैशी (जयपुर), मुस्तफा उर्फ मनोज (दिल्ली), मोहम्मद अली (जयपुर), अब्दुल रहमान (मुस्तफाबाद, दिल्ली), जुनैद कुरैशी (दिल्ली), अब्दुल्ला और अब्दुल रहीम (मुस्तफाबाद, दिल्ली) को गिरफ्तार किया है। इनमें से 11 को 10 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया गया है। जुनैद कुरैशी, अब्दुल्ला और अब्दुल रहीम को जेल भेजा जा चुका है।

50 हजार के इनामी को पकड़ने के लिए घेराबंदी, दो असलहा तस्कर गिरफ्तार

जौनपु, एजेंसी। नेवादा तिहरा हत्याकांड के 50 हजार के इनामी अरविंद नागर गोलू को पकड़ने के लिए एसटीएफ लखनऊ की टीम शुक्रवार की रात महराजगंज क्षेत्र में पहुंची। एसटीएफ लखनऊ व महराजगंज थाने की पुलिस ने डड़वा मोड़ के पास बाइक सवार को अरविंद नागर समझकर रोकने का प्रयास किया। बाइक पर सवार दोनों बदमाश भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर प्रमोद तिवारी निवासी उसरौली पठकौली प्रतापगढ़ और राघवेंद्र प्रताप सिंह निवासी ताला थाना कंधई प्रतापगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। दोनों असलहा तस्कर हैं। थानाध्यक्ष महराजगंज अमित पांडेय ने बताया कि एसटीएफ लखनऊ की टीम अरविंद कुमार नागर उर्फ गोलू के संबंध में सूचना एकत्रित कर रही थी। सूचना मिली कि अरविंद कुमार नागर शुक्रवार की रात जौनपुर के थाना महराजगंज क्षेत्र में है। एसटीएफ के उपनिरीक्षक अतुल चतुर्वेदी अपनी टीम के साथ महराजगंज थाना क्षेत्र में पहुंचे। इसके बाद महराजगंज थाने की पुलिस और एसटीएफ की टीम एबीएस पुलिस चौकी पहुंच गई। आस-पास के क्षेत्रों में तलाश शुरू हुई। टीम बदलापुर से महाराजगंज जाने वाले रास्ते पर डड़वा मोड़ पर पहुंची तो एक बाइक पर दो व्यक्ति बैठे थे। अचानक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। दोनों प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। प्रमोद पहले भी शस्त्र तस्करी में जा चुका है जेल-पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह प्रतापगढ़ के राजाराम सरोज से 50 से 60 हजार रुपये में पिस्टल खरीदकर लाते हैं और इन्हें महंगे दामों पर बेचते हैं। प्रमोद तिवारी पहले भी शस्त्र तस्करी में जेल जा चुका है। यहां पर एक अपराधी ने पिस्टल खरीदने के लिए बुलाया था।

होटल से गिरफ्तार युवक-युवतियां भेजी गई जेल

पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज

कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र के नगर पालिका कुशीनगर में हाईवे के किनारे संचालित पर्ल होटल व उत्सव मैरिज लान में देह व्यापार की सूचना पर पुलिस ने शुक्रवार को छापेमारी की थी। गिरफ्तार छह युवक और 10 युवतियों को पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। इसमें देवरिया, कुशीनगर और गोरखपुर जिले के युवक शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को देखा और आने-जाने वालों के दर्ज नामों का रजिस्टर अपने कब्जे में लिया, अब इसके माध्यम से इस धंधे में लिप्त बाकी लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने मौके से दो कार और मोबाइल फोन बरामद किया है। कुशीनगर में हाईवे के किनारे संचालित होटल पर्ल और उत्सव मैरिज लान में देह व्यापार की सूचना उच्चाधिकारियों तक पहुंची थी। इससे जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद सक्रिय हुई पुलिस व प्रशासन ने संयुक्त रूप से उत्सव मैरिज लान और पर्ल होटल पर छापेमारी किया। दोनों जगह से दस युवतियों और छह युवकों को पकड़ा, जिन्हें अब जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार युवकों में श्याम वर्मा राधे राधे मैरिज हाल के सामने कस्बा सहजनवा गोरखपुर, अर्पित सिंह निवासी भैंसहा खास थाना कसया कुशीनगर, अमित सिंह निवासी बनियापार थाना मदनपुर जिला देवरिया, धीरज मद्धेशिया निवासी कस्बा हाटा वार्ड नंबर 21 थाना हाटा कुशीनगर, राजन कुमार यादव निवासी नरकटिया खुर्द थाना कसया, अनिल निवासी सबया थाना कसया शामिल हैं। एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार युवक, युवतियां देह व्यापार के धंधे में शामिल हैं। इसका साक्ष्य पुलिस को मिला है। होटल में आने-जाने वालों का रिकार्ड वहां से बरामद रजिस्टर से पुलिस पता कर रही है। इसके अलावा होटल व लान में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी पुलिस खंगाल रही है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गोपालगंज का रहने वाला होटल संचालक नवीन सिंह सुविधाएं मुहैया कराने के लिए उनसे पैसे लेता था।

महायोजना 2031 मंजूर, हाईवे के दोनों ओर बनेगी हरित पट्टी

सीतापुर। शासन स्तर से महायोजना 2031 के प्रस्ताव को अनुमोदित कर मुहर लगा दी गई है। मंजूरी के बाद अब जिले में बसावट का स्वरूप महायोजना के पारित नक्शे के आधार पर तय होगा। इसके तहत सीतापुर को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के दोनों ओर सड़क पर करीब तीस मीटर तक हरित पट्टी भी स्थापित होगी।

इससे हरित पट्टी के लिए आरक्षित भूखंडों पर काबिज उन अवैध कॉलोनाइजर्स को झटका लगेगा, जिन्होंने हाईवे के किनारे मानकों का उल्लंघन करते हुए अवैध बसावट की है। इन कॉलोनाइजर्स से प्लॉट खरीदने वालों को भी अब सतर्कता बरतना पड़ेगी। शासन की मंजूरी के बाद अब आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से महायोजना 2031 का नक्शा सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शित किया जाएगा।

इसके लिए शासन स्तर से प्रमुख सचिव आवास व शहरी नियोजन पी गुरु प्रसाद ने जिलाधिकारी अभिषेक आनंद से पत्राचार भी किया है। अनुमोदित महायोजना की कॉपी व मानचित्र शासन स्तर से जल्दी मूलरूप से जिला प्रशासन को भेजा जाएगा। इसके बाद नक्शे का प्रदर्शन जनसामान्य के लिए विनियमित क्षेत्र कार्यालय के डिस्प्ले बोर्ड व वेबसाइट पर होगा। पुनरीक्षित महायोजना-2031 में शहर को हरा-भरा बनाने पर अधिक जोर दिया गया है। हाईवे पर हरियाली बढ़ाने के साथ ही नदियों के किनारे हाईटेंशन (एचटी) लाइन के नीचे की जमीन को हरित पट्टी के लिए आरक्षित किया गया है। इस जमीन पर किसी भी तरह का कोई निर्माण कार्य नहीं हो सकेगा। इससे शहर के मध्य से गुजरी सरायन नदी को भी जीवनदान मिल सकेगा। लेगा।

खैराबाद के आसपास हाईवे पर पहले से ही हरित पट्टी के लिए जमीन आरक्षित है। अनुमोदित महायोजना में कृषि कार्य, छोटे उद्योग, कार्यालय, पार्क, हरित पट्टी आदि के लिए जमीनों को आरक्षित किया गया है। महायोजना के प्रावधानों के तहत पहले से काबिज लोगों के अवैध कब्जों को ध्वस्त किया जाएगा। इसी तरह शाहजहांपुर मार्ग पर हरित पट्टी की जमीनें अतिक्रमणकारियों की जद में हैं। शहरी क्षेत्र में भी कांशीराम कॉलोनी के आस पास की हरित पट्टी भी अवैध कब्जे की चपेट में है। कई बार स्थानीय प्रशासन ने इन स्थानों पर अवैध रूप से बसे लोगों को नोटिस भी दिया है।

नाम डायमंड ब्यूटी काम गंदा: खास लोगों की शह पर चल रहा था देह व्यापार

गोरखपुर , एजेंसी। तहसील प्रशासन और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को कॉलेज तिराहे पर स्थित ग्रीन डायमंड ब्यूटी व स्पा सेंटर में छापा मारा। पुलिस ने मौके से पांच युवतियों और एक युवक को दबोच लिया। इस बीच स्पा सेंटर संचालक अपना मोबाइल छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस और प्रशासन के अनुसार, स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार किया जा रहा था। टीम ने मोबाइल को कब्जे में लेने के साथ ही एसडीएम गोला की मौजूदगी में सेंटर को सील कर दिया है। सीओ गोला दरवेश कुमार ने बताया कि तहसील प्रशासन ने बड़हलगंज क्षेत्र में देह व्यापार की सूचना पर स्पा सेंटर पर छापेमारी की। एसडीएम अमित कुमार जायसवाल, नायब तहसीलदार जयप्रकाश कुमार, कोतवाली प्रभारी चंद्रभान सिंह पुलिस फोर्स के साथ कस्बा स्थित ग्रीन डायमंड ब्यूटी और स्पा सेंटर पहुंचे। पुलिस को देखते ही संचालक मोबाइल छोड़कर भाग निकला। हालांकि टीम ने मौके से पांच युवतियों और एक युवक को दबोच लिया। दो युवतियां कानपुर की बताई जा रहीं थीं। पुलिस ने संचालक का मोबाइल जब्त किया है। एसडीएम अमित जायसवाल ने बताया कि कुछ दिनों से स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक कार्य की जानकारी मिल रही थी। मौके पर स्पा सेंटर से संबंधित दस्तावेज न होने के चलते सेंटर को सील कर दिया गया है। पूछताछ में युवतियों ने बताया कि वे बालिग है और स्वेच्छा से स्पा सेंटर पर कार्यरत है।

छापा पड़ते ही कस्बे में संचालित स्पा सेंटरों में लगा ताला

स्थानीय लोगों के अनुसार बड़हलगंज में करीब पांच स्पा सेंटर संचालित होते हैं। ग्रीन डायमंड ब्यूटी व स्पा सेंटर में छापा पड़ने की सूचना उड़ते ही बाकी स्पा संचालक अपने सेंटर में ताला बंद कर भाग गए। पुलिस फरार संचालकों की कुंडली खंगालने के साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ करनी शुरू कर दी है।

दो दिन पहले एक स्पा सेंटर में हुआ था विवाद

स्थानीय लोगों के अनुसार दो दिन पहले ही कस्बे में स्थित दूसरे स्पा सेंटर में रुपये के लेनदेन में कस्टमर से विवाद हो गया था। मामला पुलिस तक न पहुंचे, इसके लिए आपस में सुलह भी कर ली गई। आए दिन हो रहे विवाद के चलते स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तहसील प्रशासन को दी थी।

फिडे महिला वर्ल्ड कपः

जीत के करीब जाकर चूकी दिव्या

बातुमी, जॉर्जिया, एजेंसी। विश्व महिला शतरंज कप का इतिहासिक मुक़ाबला पहली बार है की भारत विश्व कप जीतेगा क्यूंकी दोनों ही खिलाड़ी भारतीय है । सफ़ेद मोहरो से खेल रही दिव्या देशमुख नें अपनी ओपनिंग की तैयारी से दिग्गज कोनेरु हम्पी को लगभग हारी हुई स्थिति में पहुंचा दिया था पर अपने अनुभव से और दिव्या की कुछ गलत चालों से हम्पी इस मुश्किल बाजी को बचाने में कामयाब रही ।

क्वीन्स गेंबिट एकसेपटेड ओपनिंग में दिव्या नें हम्पी को अपनी नयी चालों से चौंकाया और खेल की दसवीं चाल में दिव्या को इस फायदा मिला और हम्पी गलती कर बैठी , हम्पी का राजा केंद्र में था और दिव्या नें आक्रमण भी किया और अपने घोड़े को कुर्बान करते हुए खेल पर नियंत्रण ले लिया पर खेल की 14वीं चाल में ऊंट की अदला बदली करने की गलत चाल से उन्होने हम्पी को खेल में बराबरी हासिल करने का मौका दे दिया और इसके बाद हम्पी नें सम्हाल कर खेलते हुए पहले अपना घोडा कुर्बान करते हुए पहले अपने राजा को सुरक्षित किया और फिर अपने हथियों को खेल में ले आई और बराबरी हासिल कर ली , खेल की 30वीं चाल में जब हम्पी ड्रॉ के लिए सहमत थी दिव्या नें चाल बदल कर खेल को जारी रखने की मंशा जताई पर अब तक उनका राजा कमजोर हो चुका था और इस बात का फायदा उठाते हुए 35वीं चाल में अपना हाथी कुर्बान किया और दिव्या के राजा को लगातार शह देते हुए खेल ड्रॉ करा लिया ।

दीक्षा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारतीय

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड), एजेंसी। दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय रही। दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76 का कार्ड खेल कुल एक ओवर के स्कोर के साथ कट में प्रवेश किया। कट में कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह बनाई।

दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 69 के कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार नहीं रख सकी। पेशेवर गोल्फ में पदार्पण कर रही इंग्लैंड की लॉटी वोड दूसरे दिन 65 का कार्ड खेलने के बाद कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। दीक्षा आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही। इस दौर के 16वें होल तक उनका स्कोर छह ओवर का था। टूर्नामेंट में खेल रही दो अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (75-73) और त्वेसा मलिक (77-77) कट से चूक गईं।

एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी...

पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू से लेकर बाबर आजम को पछाड़ने तक की पूरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा है. 8 टीमों के बीच ये टूर्नामेंट 9 सितंबर से शुरू होकर 28 सितंबर के बीच UAE में खेला जाएगा. एशिया कप से ही 14 साल की क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने भी व्हाइट बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की जर्सी पहनी थी.

हालांकि, वो एशिया कप सीनियर टीम का नहीं बल्कि अंडर 19 टीम का था, जिसका आयोजन भी पिछले साल UAE में ही हुआ था. वैभव सूर्यवंशी ने उस अंडर 19 एशिया कप में ना सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था, बल्कि टूर्नामेंट में इतने रन और इतने छक्के ठोक डाले थे कि बाबर आजम तक को पछाड़ डाला था.

30 नवंबर, 2024. ये वही तारीख है जिस दिन व्हाइट बॉल क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया था. उन्होंने अपना पहला मैच अंडर 19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था. हालांकि, अंडर 19 एशिया कप की अपनी डेब्यू इनिंग में वो 1 रन से ज्यादा नहीं बना पाए थे.

पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू तो अच्छा नहीं रहा मगर आगे वो ना सिर्फ उस टूर्नामेंट में भारत के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज बनकर उभरे बल्कि अपना पहला ही अंडर 19 एशिया कप खेलते हुए बाबर आजम को भी पीछे छोड़ दिया.

वैभव सूर्यवंशी का 19 एशिया कप में रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 एशिया कप 2024 में फाइनल को मिलाकर कुल 5 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 44 की औसत और 145.45 की स्ट्राइक रेट से 2 अर्धशतक के साथ 176 रन बनाए. इसमें उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 76 रन का रहा. अंडर 19 एशिया कप 2024 में वैभव सूर्यवंशी ने 14 चौके और 12 छक्के लगाए थे.

बाबर आजम को वैभव सूर्यवंशी ने पछाड़ा:

पाकिस्तान के बाबर आजम ने भी साल 2012 के अंडर 19 एशिया कप में 5 मैच खेले थे, जहां उन्होंने 32.60 की औसत और 69.36 की स्ट्राइक रेट से 1 अर्धशतक के साथ 163 रन बनाए थे.

उनका बेस्ट स्कोर 68 रन का रहा था. बाबर आजम ने अंडर 19 एशिया कप 2012 में 20 चौके और 1 छक्का लगाया था. मतलब वैभव सूर्यवंशी ने बाबर आजम से सिर्फ 13 रन ही ज्यादा नहीं बनाए हैं बल्कि उनसे 11 छक्के भी ज्यादा जमाए हैं.

वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर एशिया कप का रिकॉर्ड:

अंडर 19 एशिया कप के इतिहास में सबसे ज्यादा 840 रन बनाने का रिकॉर्ड भी पाकिस्तान के समी असलम के नाम है.

उन्होंने ये रन 2012 और 2014 के एशिया कप को मिलाकर खेले कुल 10 मैचों में 93.33 की औसत से 4 शतक और 4 अर्धशतक के साथ बनाए हैं. वैभव सूर्यवंशी की उम्र अभी 14 साल है. यानी, पाकिस्तान के समी असलम के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए फिलहाल उनके पास पूरा मौका है.

WWE में आएगी इन रेसलर्स की शामत

ब्रॉक लेसनर वापसी पर मचाएंगे तबाही

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रॉक लेसनर जब तक आधिकारिक तौर पर रिटायर नहीं हो जाते, तब तक डब्ल्यूडब्ल्यूई में उनकी वापसी की चर्चा हमेशा बनी रहेगी। विंस मैकमैहन के वे पसंदीदा थे और उन्होंने पार्ट-टाइम प्रदर्शन करते हुए कई टाइटल जीते। पिछले छह सालों में द बीस्ट के नाम से मशहूर ब्रॉक लेसनर ने मनी इन द बैंक लैडर मैच, एलिमिनेशन चैंबर मैच और रॉयल रंबल जीता है। अपनी उपलब्धियों के बावजूद, उन्होंने दो साल पहले समरस्लैम में कोडी रोड्स के साथ हुए मैच के बाद से रेसलिंग नहीं की है। लेसनर अभी भी अच्छी शेप में हैं और उनके सामने नई चुनौतियां हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि ब्रॉक लेसनर वापसी करते ही किसके खिलाफ मुकाबला कर सकते हैं।

1. गुंथर

गुंथर लेसनर की शारीरिक क्षमता से टक्कर ले सकते हैं। लेसनर और गुंथर 2023 रॉयल रंबल के दौरान एक-दूसरे के सामने आए थे।

उस समय दर्शकों ने इस टकराव को देखकर खूब तालियां बजाई थीं। अगर ब्रॉक लेसनर एक्शन में लौटते हैं और अच्छी शेप में रहते हैं, तो गुंथर एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी होंगे। चाहे उनके पास वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप हो या न हो।

2. कोडी रोड्स

कोडी रोड्स आखिरी व्यक्ति थे जिन्होंने ब्रॉक लेसनर से रेसलिंग की थी। ब्रॉक लेसनर ने दो साल पहले कोडी रोड्स से हारने के बाद उन्हें समर्थन दिया था। कोडी रोड्स आखिरी बार ब्रॉक लेसनर के सामने डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में खड़े थे। समरस्लैम 2023 में उनके मुकाबले के बाद ब्रॉक लेसनर ने रोड्स का हाथ जीत के लिए ऊपर उठाया था।

कोडी रोड्स ने लेसनर के कई दुश्मनों से लड़ाई की है, जिनमें रोमन रेंस और जॉन सीना शामिल हैं। चूंकि रोड्स आखिरी व्यक्ति थे जिनसे उनका सामना हुआ था, इसलिए वापसी करके कोडी को टारगेट करना बनता है।

3. जॉन सीना

लेसनर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपनी पहली वापसी में जॉन सीना को टारगेट किया था। लेसनर की डब्ल्यूडब्ल्यूई में पहली बड़ी वापसी 2012 में हुई थी। उन्होंने उस समय के चैंपियन जॉन सीना पर हमला किया था।

ब्रॉक लेसनर की यह वापसी लगभग एक दशक के बाद कंपनी में पहली उपस्थिति थी। सीना अपने रिटायरमेंट टूर पर हैं और उन्होंने अपने अतीत के कई नामों का सामना किया है। सीएम पंक, कोडी रोड्स और रैंडी ऑर्टन ने 2025 में जॉन सीना का विरोध किया है। चूंकि लेसनर सीना के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वियों में से एक थे, इसलिए दोनों के लिए एक और मुकाबला करना बनता है।

विश्व विश्वविद्यालय खेलों में तीरंदाज जाधव को स्वर्ण, प्रवीण और सीमा का जलवा

राइन-रूहर, ईसेन (जर्मनी), एजेंसी। भारत के कुल पदकों की संख्या नौ हो गई है। प्रतियोगिता का 32वां संस्करण 16 से 27 जुलाई तक जर्मनी के छह शहरों में आयोजित किया जा रहा है। चेंगदू में 2023 का संस्करण भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जहां देश 26 पदकों के साथ सातवें स्थान पर रहा था। साहिल जाधव ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में शनिवार को स्वर्ण पदक जीता, जिससे भारतीय तीरंदाजों ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के तीरंदाजी स्पर्धा में पांच पदकों के साथ अभियान समाप्त किया। इससे पहले परनीत कौर महिला कंपाउंड के रोमांचक फाइनल में दक्षिण कोरिया की मून यीउन के खिलाफ दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रही और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इन दोनों के अलावा भारत ने कंपाउंड तीरंदाजों ने मिश्रित टीम स्वर्ण, पुरुषों की टीम रजत, महिलाओं की टीम कांस्य के साथ रिकर्व तीरंदाजों के निराशाजनक प्रदर्शन की काफी हद तक भरपाई भी कर दी। वहीं भारत के 24 वर्षीय एथलीट प्रवीण चित्रावेल ने अपने दूसरे प्रयास में 16.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर त्रिकूद में रजत पदक जीता। वहीं, सीमा ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। उन्होंने सीजन बेस्ट प्रदर्शन करते हुए 15:35.86 का समय निकाला। वह जूलिया डेविड स्मिथ के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

दिग्गज अचंता शरत कमल ने दिया जवाब

भारत में टेबल टेनिस का खेल कैसे विकसित होगा ?

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि, हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। शरत ने बताया, हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे।

युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की हैज जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे। भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि

भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि, हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। शरत ने बताया, हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे।

युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की हैज जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे। भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला।

पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। शरत ने कहा, असली चुनौती निरंतरता की है। एक पदक को दो होना चाहिए और उसे पांच या छह तक बढ़ाना होगा।

अभिमन्यु का कब होगा डेब्यू?

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेटर अभिमन्यु ईश्वरन का भारतीय टीम के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है. अभिमन्यु का ये इंतजार चार साल का हो चुका है. अभिमन्यु साल 2021 में पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल हुए थे और इंग्लैंड दौरे पर गए. लेकिन तब रोहित शर्मा और केएल राहुल ने ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाली, जिसके चलते उन्हें मौका नहीं मिला.

अब रोहित शर्मा टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है, फिर भी इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में अभिमन्यु ईश्वरन अब तक बेंच पर ही बैठे हैं. दाएं हाथ के बल्लेबाज अभिमन्यु भारतीय टीम के साथ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (2024-25) के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गए थे, लेकिन वो पांचों टेस्ट मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन पाए. इन चार सालों में 16 नए खिलाड़ियों ने भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया, लेकिन अभिमन्यु ईश्वरन का इंतजार खत्म नहीं हुआ है. इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर मैच में तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज भी डेब्यू करने में कामयाब रहे, जो चंद दिनों पहले ही टीम से जुड़े थे.

अंशुल के अलावा श्रेयस अय्यर, केएस भरत, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप, देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा और साई सुदर्शन भी इस पीरियड में अपना टेस्ट डेब्यू करने में सफल रहे.

अभिमन्यु इस टीम के लिए खेलते हैं घरेलू क्रिकेट

अभिमन्यु ईश्वरन का जन्म 6 सितंबर, 1995 को उत्तराखंड के देहरादून में हुआ था. अभिमन्यु घरेलू क्रिकेट में अपने घरेलू राज्य की बजाय बंगाल टीम के लिए खेलते हैं. उनके पिता आरपी ईश्वरन ने कई साल पहले पुरकुल गांव में अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी की स्थापना की थी. इसी एकेडमी में अभिमन्यु ने क्रिकेट के गुर सीखे थे. अभिमन्यु ईश्वरन का फर्स्ट क्लास करियर काफी शानदार रहा है. अभिमन्यु ने अब तक 103 फर्स्ट क्लास मैच खेले, जिसमें उन्होंने 48.70 की औसत से 7841 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 27 शतक और 31 अर्धशतक निकले. इस खिलाड़ी ने 89 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिसमें 47.03 की औसत से 3857 रन बनाए. लिस्ट-ए क्रिकेट में अभिमन्यु ने 9 शतक और 23 अर्धशतक लगाए.

अभिमन्यु ने 34 टी20 मैच भी खेले हैं, जिसमें उनके नाम पर 37.53 के एवरेज से 973 रन दर्ज हैं. टी20 क्रिकेट में अभिमन्यु के बल्ले से एक शतक और 5 अर्धशतक निकले. अभिमन्यु ईश्वरन ने हाल ही में इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दो फर्स्ट क्लास मुकाबलों में इंडिया-ए की कप्तानी की थी. दोनों ही फर्स्ट क्लास मैचों में अभिमन्यु अर्धशतकीय पारियां खेलने में कामयाब रहे थे.

इसके बावजूद उन्हें टेस्ट सीरीज में अब तक नजरअंदाज किया गया है. घरेलू क्रिकेट के आंकड़े अभिमन्यु की काबिलियत को दर्शाते हैं. अभिमन्यु इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में तीसरे नंबर पर बेहतरीन विकल्प हो सकते थे, लेकिन उनसे पहले करुण नायर और साई सुदर्शन को तवज्जो दी गई है.

2021 में हुए टीम इंडिया में शामिल, तब से 16 प्लेयर कर चुके करियर शुरू

कब खत्म होगा अभिमन्यु का इंतजार?

टीम मैनेजमेंट का मानना है कि बल्लेबाजों को नेट्स में तेज गेंदबाजों के खिलाफ प्रदर्शन के आधार पर परखा जाता है. जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाजों को फेस करते समय बल्लेबाजों की तकनीक की परीक्षा होती है.

ऐसा लगता है कि अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय टीम मैनेजमेंट को प्रभावित नहीं कर पाए. 29 साल के अभिमन्यु के पास अब भी वक्त है, लेकिन इतना लंबा इंतजार एक क्रिकेट के लिए मनोबल गिराने वाला होता है..